मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 44 ■ अंक : 109 ■ सोमवार 6 जुलाई 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

संपादक – हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A. Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

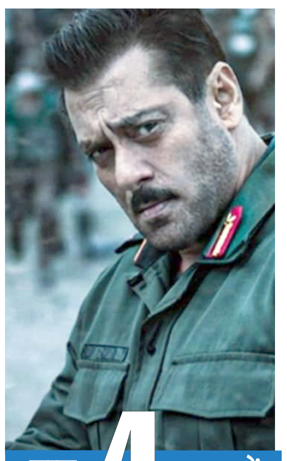

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

'मातृभूमि' पर सेंसर बोर्ड ने रोक नहीं लगाई

जर्जर इमारतों में हज़ारों जानें खतरे में

■ क्या इमारतों के गिरने और जान जाने के बाद क्लस्टर स्कीम लागू होगी?

712 इमारतें खतरनाक

224 अति खतरनाक और जर्जर

15 इमारतों को गिराने की हुई कार्रवाई

कल्याण. कल्याण-डोंबिवली महानगर पालिका की सीमा में 712 इमारतें खतरनाक हैं। इनमें से 224 बहुत ज़्यादा खतरनाक हैं और जर्जर हैं। इसके बावजूद, मनपा ने 15 बहुत ज़्यादा खतरनाक इमारतों को गिराने की कार्रवाई की है। आज भी, हज़ारों नागरिकों के परिवार बहुत ज़्यादा खतरनाक और खतरनाक इमारतों में रहते हैं और ये इमारतें मानसून के मौसम में गिरने की हालत में हैं और बड़ी संख्या में जानें जाने की उम्मीद है। जब इन खतरनाक और बहुत ज़्यादा खतरनाक इमारतों में रहने वालों की मौत अधर में लटकी हुई है, तो प्रशासन जान जाने के बाद क्लस्टर स्कीम क्यों लागू करेगा? यह गुस्सा इन इमारतों में रहने वाले लोग ज़ाहिर कर रहे हैं।

पिछले साल मानसून के मौसम में कल्याण ईस्ट में सप्तश्रृंगी खतरनाक इमारत हादसे में छह लोगों की मौत हो गई थी। इस इमारत को तुरंत गिरा दिया गया था। इस इमारत में रहने वालों का अभी तक ठीक से पुनर्वास नहीं हुआ है। पिछले साल के आंकड़ों के अनुसार मनपा सीमा में खतरनाक इमारतों की संख्या 451 थी। बेहद खतरनाक इमारतों की संख्या 225 थी। कुल खतरनाक इमारतों की संख्या 676 थी। इस साल इसमें 36 खतरनाक इमारतों में बढ़ोतरी हुई है। इसलिए इस साल 488 इमारतें खतरनाक हैं। बाकी 224 इमारतें बेहद खतरनाक हैं। 224 बेहद खतरनाक इमारतों में से 61 इमारतें रहने लायक नहीं हैं। जबकि 148 बेहद खतरनाक इमारतों में 148 परिवारों के लोग रहते हैं। नगर निगम ने 15 इमारतों को गिरा दिया है। 488 खतरनाक इमारतों में 5,865 परिवारों के लोग रहते हैं। इन 488 खतरनाक इमारतों में से 361 इमारतें खाली करने और मरम्मत के लिए तैयार हैं, जबकि 63 इमारतों में मामूली मरम्मत का काम चल रहा है।

खतरनाक इमारतों में रहने वालों को मानसून के दौरान घर खाली करने के लिए नोटिस जारी किए जाते हैं। लेकिन, रहने वाले घर खाली करने को तैयार नहीं हैं। इमारतों में रहने वाले ज्यादातर लोग किराएदार और पगड़ी के सिद्धांत पर रहते हैं। कई बिल्डिंग्स के ज़मीन मालिकों, बिल्डिंग मालिकों और किराएदारों के बीच झगड़े की वजह से बिल्डिंग्स का रीडेवलपमेंट नहीं हो पाता है। क्योंकि उनके बीच आम सहमति नहीं है, इसलिए रीडेवलपमेंट नहीं हो पाता है। दूसरी तरफ, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन क्लस्टर प्लान के ज़रिए खतरनाक बिल्डिंग्स में रहने वालों का रीडेवलपमेंट करेगा। असल में, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने क्लस्टर प्लान को लागू करने के लिए 41 जगहों को चुना है। इनमें से कल्याण ईस्ट के कोलेवाड़ी में U-टाइप रोड के प्रभावित इलाकों को क्लस्टर प्लान के ज़रिए डेवलप किया जाएगा। जबकि डोंबिवली के आयरे दत्तानगर इलाके के रहने वालों का क्लस्टर प्लान के ज़रिए डेवलपमेंट किया जाएगा।

क्लस्टर प्लान का मकसद पूरा नहीं हो पाया?

असल में, म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने 41 जगहों पर क्लस्टर प्लान लागू करने का फैसला किया है। क्या उस प्लान में खतरनाक बिल्डिंग्स शामिल हैं या नहीं? यह भी एक सवाल है। अगर खतरनाक बिल्डिंग्स को इसमें शामिल नहीं किया गया, तो क्लस्टर प्लान का मकसद पूरा नहीं हो पाएगा।

बारवी डैम इलाके में भारी बारिश

■ पानी का जलस्तर 26% हुआ

■ 162 mm बारिश रिकॉर्ड की गई

बदलापुर. ठाणे, कल्याण डोंबिवली, मीरा भायंदर, अंबरनाथ, बदलापुर और उल्हासनगर इलाकों की प्यास बुझाने वाले बारवी डैम इलाके में इस सीजन की पहली भारी बारिश हुई है। रविवार, 5 जुलाई के डेटा के मुताबिक, पिछले 24 घंटों में डैम इलाके में 162.40 mm बारिश रिकॉर्ड की गई है। इस भारी बारिश की वजह से डैम का पानी का स्टोरेज काफी बढ़ गया है, और यह अब 26.35 परसेंट (89.31 क्यूबिक मीटर लाइव स्टोरेज) तक पहुंच गया है।

पिछले कुछ दिनों से डैम इलाके में बारिश धीमी रफ्तार से हो रही थी। 30 जून को डैम में स्टोरेज घटकर 21.74 परसेंट रह गया, जो चिंता की बात थी। 1 जुलाई से बारिश थोड़ी कम होने लगी थी, लेकिन भारी बारिश की उम्मीद थी। आखिरकार, कल से इस मौसम की पहली भारी बारिश से डैम के पानी के स्टोरेज में एक दिन में करीब तीन परसेंट की बढ़ोतरी हुई है। इससे पानी का स्टोरेज 23.55 परसेंट से सीधे 26.35 परसेंट पर पहुंच गया है। फिलहाल डैम का वॉटर लेवल 59.05 मीटर पर पहुंच गया है।

हालांकि बारिश की इस वापसी से काफी राहत मिली है, लेकिन डैम का लेवल अभी भी पिछले साल से पीछे है। आज तक डैम एरिया में कुल 470.60 mm एवरेज बारिश रिकॉर्ड की गई है। जबकि, पिछले साल 5 जुलाई को डैम में 60.68 परसेंट या 205.61 क्यूबिक मीटर पानी का स्टोरेज था और 1347 mm बारिश हुई थी। फिर भी, इस पहली भारी बारिश ने नई जान डाल दी है और पानी की कमी के खतरे को कुछ हद तक कम करने में मदद की है। अगर आने वाले समय में बारिश की यह तेज़ी जारी रही, तो उम्मीद है कि बारवी डैम जल्द ही ठीक-ठाक लेवल पर पहुंच जाएगा।

उल्हास नदी का वॉटर लेवल

बदलापुर में नदी के वॉटर लेवल सेंटर पर रिकॉर्ड किए गए ऑफिशियल डेटा के मुताबिक, शनिवार शाम 5 बजे नदी का वॉटर लेवल 12 .78 मीटर था। लेकिन, सिर्फ़ चार घंटे में, यानी रात 9 बजे यही लेवल बढ़कर 14 .11 मीटर हो गया था। इस वजह से, रात में नदी के किनारे बदलापुर शहर के लोगों में बाढ़ का डर था। लेकिन, रविवार सुबह 7 बजे के रिकॉर्ड के मुताबिक, वॉटर लेवल एक मीटर घटकर 13 .80 मीटर हो गया था।

उल्हासनगर मनपा में 83 करोड़ के टेंडर पर घमासान

■ स्टैंडिंग कमेटी की अनदेखी के आरोप

उल्हासनगर. उल्हासनगर महापालिका में करीब 83 करोड़ रुपये के टेंडर को लेकर राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में जोरदार विवाद छिड़ गया है। आरोप लगाया जा रहा है कि स्टैंडिंग कमेटी के 16 सदस्यों के चयन के बावजूद उक्त टेंडर को महापालिका आयुक्त द्वारा अपने विशेष अधिकारों का उपयोग करते हुए मंजूरी दी गई। इस मामले में भाजपा के स्टैंडिंग कमेटी के 8 सदस्यों के साथ-साथ शिवसेना शिंदे गुट के वरिष्ठ नगरसेवक राजेंद्र सिंह भुल्लर द्वारा भी शिकायत किए जाने के बाद महापालिका में राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

महापालिका सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार झा.पी. कांट्रेक्टर को एक 21 करोड़ और दूसरा 10 करोड़ टोटल 31 करोड़ का दलित बस्ती का टेंडर आयुक्त मनीषा अहवाले ने अपने अधिकार क्षेत्र में आवंटित कर दिया इसके अलावा 10 करोड़, 17 करोड़ का दलित बस्ती (जिसमें गार्डन सुशोभीकरण तथा समाज मंदिर निर्माण और दुरुस्ती करण) का काम जय भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया है इसी के साथ साथ सेंट्रल गवर्मेंट (रेलवे विभाग) ने शहद स्टेशन के बाहर फोर लाइन सड़क बनाने के लिए 25 करोड़ की निधि भी महापालिका को दिया गया है. जिसका टेंडर भी जय भारत कंस्ट्रक्शन कंपनी को दिया गया है.

83 करोड़ के इस टेंडरों को स्टैंडिंग के पटल पर लाना अनिवार्य था. बावजूद ठाणे के एक प्रभाव शाली नेता के आदेश और दो स्थानीय दलालों की सेटिंग के चलते यह ठेका सीधे तौर पर दे दिया गया. इस मामले में भाजपा और शिवसेना शिंदे गुट के ज्येष्ठ नगरसेवक राजेंद्र सिंह भुल्लर आयुक्त को जमकर आड़े हाथों लेने की संभावना के चलते पिछले लगभग दो महीनों से महापालिका की सर्वसाधारण महासभा आयोजित नहीं की जा रही है।

महासभा बुलाने में टालमटोल का आरोप

आरोप है कि इस टेंडर पर चर्चा और संभावित जवाबदेही से बचने के लिए आयुक्त और महापौर महासभा बुलाने में टालमटोल कर रहे हैं। हालांकि, इस संबंध में महापालिका प्रशासन की ओर से आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि महापालिका आयुक्त मनीषा अहवाले इस विवादित टेंडर को निरस्त करती हैं या फिर स्टैंडिंग कमेटी के समक्ष वापस पटल पर लाती है या 16 स्टैंडिंग सदस्यों को ठेकेदारों द्वारा 10 10 लाख रूपये का चढ़ावा चढ़ाकर मामले को शांत करने का प्रयास करेंगे. आने वाले दो-तीन दिनों में इस पूरे मामले की दिशा और तस्वीर स्पष्ट होने की संभावना है।

चिखलोली डैम में डूबकर युवक की मौत

■ दूसरी घटना में नेरल के झरने में डूबा युवक

अंबरनाथ. अंबरनाथ पूर्व के चिखलोली डैम में उल्हासनगर निवासी एक युवक की पानी में डूबकर मौत हो गई है, तो दूसरी घटना में नेरल निवासी एक युवक की नेरल के झरने के पानी में डूब कर मौत हो गई है.

उल्हासनगर-5 निवासी विश्वनाथ उर्फ बाबू कांबले (22) अपने दोस्तों के साथ शहर पूर्व के चिखलोली डैम में शुक्रवार को नहाने आया था. उसके दोनों दोस्त शुक्रवार को ही वापस आ गए, लेकिन विश्वनाथ वापस नहीं आया. फायर ब्रिगेड को खबर की गई. रविवार दोपहर में उसके शव को पानी से बाहर निकाला गया. तीन दिन बाद उसका शव निकाला गया. मृतक के भाई ने बताया कि विश्वनाथ सिलाई कारखाने में काम करता था. शुक्रवार को छुट्टी होने के कारण वह अपने दोस्तों के साथ चिखलोली डैम में नहाने आया था.

पानी की गहराई का अंदाज ना होने से पानी में डूब कर उसकी मौत हो गई.

दूसरी घटना नेरल की है. यहां का निवासी अरबीन शेख दोस्तों के साथ टपाल वाड़ी क्रास झरने पर नहाने आया था. झरने का जोर ज्यादा होने से वह पानी में बह गया. उसका दोस्ते भी डूबने लगा. उपस्थित नागरिकों ने उसके दोस्तो को तो बचा लिया, लेकिन अरबीन को वह नहीं बचा सके. पुलिस और बचावकर्मियों का पथक भी घटनास्थल पर पहुंच गया था. उसे रायगड़ के रुग्णालय में ले जाया गया. जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया.

उल्हासनगर में दुकानदारों को फर्जी आनलाइन पेमैंट करने वाला सक्रिय

■ CCTV कैमरे में कैद

■ कैम्प-4 के दुकानदार को दिया चकमा

■ फर्जी पेमैंट दिखाकर लूट रहे

उल्हासनगर. जैसे-जैसे डिजिटल ट्रांज़ैक्शन बढ़ रहे हैं, वैसे-वैसे UPI पेमेंट के ज़रिए धोखाधड़ी की घटनाएं भी बढ़ रही हैं। उल्हासनगर 4 इलाके के आशेला पाड़ा में जेपी ड्राई फ्रूट्स की दुकान में एक घटना हुई है, जहां एक व्यक्ति ने UPI स्कैनर से स्कैन करके नकली पेमेंट रसीद दिखाकर दुकानदार को ठग लिया। दुकानदार के मुताबिक, सामान खरीदने के बाद, संबंधित व्यक्ति ने अपने मोबाइल फ़ोन पर रसीद दिखाई और UPI से पेमेंट करने का नाटक किया। हालांकि, बाद में पता चला कि दुकान के बैंक अकाउंट में असल में कोई रकम जमा नहीं हुई थी। इसके बाद दुकानदार को एहसास हुआ कि उसके साथ धोखाधड़ी हुई है। पूरी घटना दुकान के CCTV कैमरे में कैद हो गई। दुकानदार का आरोप है कि संबंधित व्यक्ति ने पहले भी उल्हासनगर में कई जगहों पर दुकानदारों के साथ धोखाधड़ी की है। हालांकि, इस दावे की अभी तक आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। जेपी ड्राई फ्रूट्स के दुकानदार ने बताया है कि वह इस मामले में संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराएंगे। इस बीच, इस घटना के बाद दुकानदारों से कहा जा रहा है कि वे UPI पेमेंट लेते समय न सिर्फ़ कस्टमर की दिखाई गई रसीद पर भरोसा करें, बल्कि कस्टमर को सामान देने से पहले यह पक्का कर लें कि रकम असल में उनके बैंक अकाउंट या UPI ऐप में जमा हुई है। ऐसे चकमा देने वाले धोखेबाज शहर में सक्रिय हो गए हैं इनके खिलाफ पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराएं।

कंटेनर की टक्कर से एक की मौत

उल्हासनगर. पवई इलाके में एक व्यक्ति की कंटेनर की टक्कर से मौत हो गई. घटनास्थल पर पहुंची महापौर अश्विनी कमलेश निकम कार से बाहर निकलीं और एम्बुलेंस और पुलिस को मौके पर बुलाया। यह हादसा उल्हासनगर के पवई इलाके में हुआ।

महापौर अश्विनी निकम बारिश में फंसे लोगों को निकालने और पानी के बहाव में रुकावट डाल रहे नाले की दीवार को गिराने के लिए नगर निगम की टीम के साथ मौजूद रहने के बाद रात करीब 11 बजे अपनी कार से घर लौट रही थीं। पवई इलाके में कंटेनर की टक्कर में मरने वाला शख्स सड़क पर पड़ा था. जब महापौर कार से बाहर निकले, तो लोग मदद करने के बजाय फोटो खींच रहे थे। उन्होंने उसी समय पुलिस और एम्बुलेंस को बुलाया। पुलिस ने कंटेनर ड्राइवर को अरेस्ट किया है. इस बारे में सेंट्रल पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है और कंटेनर ड्राइवर अनिल फडतरे को कस्टडी में ले लिया गया है। मरने वाले का सरनेम वर्मा है। घटना की जांच सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर अशोक कोली की गाइडेंस में असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर संजय मोहिते कर रहे हैं।

वाहन चोरी करने वाला शातिर चोर गिरफ्तार

कल्याण. डोंबिवली पश्चिम के कुंभारखानपाड़ा इलाके से एक 25 साल के चोर को गिरफ्तार किया गया है, जो पिछले दो महीने से डोंबिवली, उल्हासनगर और अंबरनाथ इलाकों में रिक्शा और दोपहिया वाहन चुरा रहा था। पुलिस ने उसके पास से करीब तीन लाख रुपये कीमत के चोरी के रिक्शा और दोपहिया वाहन जब्त किए हैं, विष्णुनगर पुलिस स्टेशन के सीनियर पुलिस इंस्पेक्टर रामचंद्र चोपड़े ने यह जानकारी दी।

चोर की पहचान आदर्श रोहिदास बागड़े (25) के रूप में हुई है। पुलिस जांच में पता चला है कि वह कुंभारखानपाड़ा के सरोवरनगर इलाके में रहता है। पुलिस जांच में पता चला है कि आदर्श बागड़े ने उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन और अंबरनाथ पुलिस स्टेशन की सीमा में दोपहिया वाहन चोरी की वारदातें की हैं।

विनायक तटकरे कुंभारखानपाड़ा इलाके में सरोवरनगर रागई टर्फ के पास साईं मंत्र चाली में रहता है। पिछली मई में, तटकरे रात में अपना रिक्शा अपने घर के पास पिंपलेश्वर चाली के पास पार्क करता था। जहां से रिक्शा चोरी हो गया. रिक्शा न मिलने पर विनायक तटकरे ने विष्णुनगर पुलिस स्टेशन में शिकायत की। पुलिस ने केस दर्ज किया और सीनियर इंस्पेक्टर चोपड़े के गाइडेंस में क्राइम ब्रांच की इन्वेस्टिगेशन टीम ने रिक्शा चोरी की जांच शुरू की। इस जांच के दौरान, यह पक्की जानकारी मिलने के बाद कि तटकरे का रिक्शा कुंभारखानपाड़ा इलाके में रहने वाले आदर्श रोहिदास बागड़े ने चुराया है, पुलिस ने इस दिशा में जांच की और बागड़े को गिरफ्तार कर लिया।

बागड़े से पूछताछ करने पर पता चला कि उसने उल्हासनगर से दीपिका निकलेख मेंघानी का टू-व्हीलर चुराया था। इस बारे में अंबरनाथ पुलिस स्टेशन में केस दर्ज किया गया है। इसके अलावा, बागड़े ने कबूल किया कि उसने उल्हासनगर सेंट्रल पुलिस स्टेशन की सीमा के अंदर एक और गाड़ी चुराई थी। पुलिस जांच में पता चला है कि आदर्श आदतन गाड़ी चोर है। बागड़े पर पहले भी ठाणे के नौपाड़ा, कोपरी और विष्णुनगर पुलिस स्टेशनों में केस दर्ज हो चुका है।

'चोरी करो, भ्रष्टाचार करो, लेकिन लिमिट में करो'

■ अंबरनाथ नपा के इस वक्तव्य से मची खलबली

■ सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल

अंबरनाथ. 'चोरी करो, भ्रष्टाचार करो, लेकिन लिमिट में करो' ऐसा अजीब बयान अंबरनाथ नगर परिषद के उप नगराध्यक्ष एवं राष्ट्रवादी कांग्रेस (अप) के शहराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने शुक्रवार को हुई अनपा की महासभा में कहा. रास्ते विकास बोगस बिल एवं अतिक्रमण विभाग में हो रहे भ्रष्टाचार पर उपस्थित नगरसेवकों ने अधिकारियों पर आरोप लगाया. उस समय उप नगराध्यक्ष पाटिल ने अधिकारियों को सलाह दिया कि 'चोरी करो, भ्रष्टाचार करो, लेकिन लिमिट में करो'. उस समय पत्रकार भी सभागृह में उपस्थित थे. सोशल मीडिया पर इस वक्तव्य का वीडियो तेजी से वायरल होने से शहरवासी भी अचंभित रह गए. उसी समय नगराध्यक्षा तेजश्री करंजुले ने भी सदाशिव पाटिल को ये सब कहने से रोका. नगरसेवक राजेंद्र वालेकर ने अपने सर पर हाथ लगाकर बैठ गए. बाद में पत्रकारों को बयान देते हुए नगराध्यक्षा ने कहा कि उप नगराध्यक्षा का इस तरह का बयान गलत था. शिवसेना के गट नेता रविंद्र करंजुले ने कहा कि शिवसेना उपनगराध्यक्ष के बयान को गलत मानता है.

विदित हो कि शिवसेना के समर्थन से ही राकांपा के सदाशिव पाटिल उप नगराध्यक्ष बने हैं. अंबरनाथ नपा की महासभा शुक्रवार को सुबह 11 बजे शुरू हुई. 336 विषय मंजूरी के लिए लगभग 40 करोड़ रुपयों से ज्यादा की रकम खर्च पर नगरसेवकों की मंजूरी के लिए सभा की जैसे ही शुरूआत हुई राजेंद्र वालेकर ने अंबरनाथ नपा कार्यालय एवं सभागृह के फायर सेफ्टी का मुद्दा उठाते हुए बताया कि फायर सेफ्टी का लाइसेंस नपा फायर विभाग ने नहीं लिया है, जिसके कारण नगरसेवकों एवं बैठे पत्रकारों की जान खतरे में है. मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने इस विषय को गंभीरता से लेते हुए फायर अधिकारी सोनोने से कहा कि वह फायर सेफ्टी लाइसेंस ले. रात 10 बजे तक महासभा चल रही थी.

मेरा वक्तव्य तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया : सदाशिव पाटिल

अंबरनाथ. उप नगराध्यक्ष सदाशिव पाटिल ने रविवार को अपने केबिन में एक पत्रकार परिषद का आयोजन कर खुलासा किया है कि मेरे वक्तव्य को कुछ लोगों ने तोड़ मरोड़ कर पेश किया है. खान करके शहर के दो यू-ट्यूब चैनल के पत्रकारों पर उन्होंने अपना रोष निकालते हुए कहा है कि एक पत्रकार जो कि पहले मुंबई के एक मराठी न्यूज चैनल में काम करता था. उस समय सदाशिव पाटिल ने चैनल को उनके द्वारा विज्ञापन दिया था. उसमें उस पत्रकार ने हेराफेरी की थी. चैनल ने उस पत्रकार पर कार्रवाई करते हुए उसे चैनल से हटा दिया था. दूसरा यूट्यूब चैनल का पत्रकार अंबरनाथ नपा के चुनाव में उनके मुकाबले में उम्मीदवार था और वह चुनाव हार गया था. इस कारण से इन दोनों पत्रकारों ने इस बात को दिल में रखकर उनके वीडियो को वायरल करके उनके बारे में लोगों में गलत प्रचार किया.

जबकि शुक्रवार की महासभा में दो नगरसेवकों ने एक दूसरे को अश्लील गाली गलौज की. इसका समाचार इन पत्रकारों ने क्यों नहीं दिया. उन्होंने कहा कि सभागृह में नपा के एक इंजीनियर के भ्रष्टाचार के बारे में चर्चा चल रही थी. मैंने उस इंजीनियर को संबोधित करते हुए कहा था कि भ्रष्टाचार भी हद के बाहर नहीं करना चाहिए. इस बात का कुछ यूट्यूब के पत्रकारों ने गलत मतलब निकाल कर उनके सर पर गलत वक्तव्य को मढ़ दिया है. जबकि मेरा उद्देश्य पहले भी था और अभी भी है कि भ्रष्टाचार कहीं भी नहीं होना चाहिए. पत्रकार परिषद में नगरसेवक सचिन पाटिल, पूनम शेला, प्रिसीला डिसिल्वा, गणेश गायकवाड़, विनोद शेलार आदि उपस्थित थे.

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास — लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

भारत-जापान साझेदारी का नया अध्याय

बदलते भू-राजनीतिक दौर में भारत जिस तरह अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में नई संभावनाओं की जमीन तैयार कर रहा है, उसमें अलग-अलग देशों के साथ नए समीकरण बनना भी स्वाभाविक है। यों भारत और जापान के बीच संबंधों की कड़ियां बहुत लंबे समय से सकारात्मक और प्रगाढ़ रही हैं। मगर आज दुनिया भर में जिस तरह नए ध्रुव विकसित हो रहे हैं, उसमें दोनों देशों के बीच ठोस साझेदारी को लेकर बनी ताजा सहमति का अपना महत्त्व है।

गौरतलब है कि भारत और जापान ने आर्थिक साझेदारी ढांचा तथा सैन्य उपकरणों को संयुक्त रूप से विकसित करने के लिए एक रक्षा समझौते सहित कई महत्त्वपूर्ण कदमों की घोषणा की है। जापान की प्रधानमंत्री ताकाइची की भारत यात्रा के दौरान कई अहम फैसले किए गए, जिनमें आर्थिक सुरक्षा के अलावा कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सहयोग के उद्देश्य से आपूर्ति शृंखला में साझेदारी मजबूत करने के लिए एक समझौता शामिल है।

दरअसल, एक अनिश्चितता के दौर से गुजरते विश्व में आर्थिक और रणनीतिक मोर्चे की मजबूती के लिए बेहतर विकल्प तैयार करना वक्त की जरूरत है। साथ ही ऊर्जा सुरक्षा के मामले में परिस्थितियों के मुताबिक नई संभावनाओं और साझेदारी को विकसित करना होगा। यही वजह है कि समुद्री सुरक्षा और रक्षा तकनीक को मजबूत करने के लिए 'यूनिकार्न' रेडियो एंटीना प्रणाली पर काम के अलावा भारत और जापान ने सेमीकंडक्टर, प्रौद्योगिकी और उन्नत सामग्रियों जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में आपूर्ति शृंखला को ज्यादा मजबूत बनाने के उद्देश्य से एक संयुक्त खाका तैयार किया है। इसके तहत भारत में एक हजार बायोगैस और उर्वरक संयंत्र स्थापित करने की पहल अगर जमीन पर उतरती है, तो इसके सकारात्मक परिणामों का अंदाजा लगाया जा सकता है। खासतौर पर ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के अवसरों के विकसित होने की नई राह अर्थव्यवस्था के बुनियादी ढांचे को बड़ी ताकत दे सकती है।

भारत और जापान एशिया की दो बड़ी लोकतांत्रिक शक्तियां हैं और इनके बीच सहयोग के ध्रुव को मजबूत करना इसलिए भी एक रणनीतिक जरूरत है कि इससे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के दबदबे को संतुलित करने में मदद मिलेगी।

विमर्श

मंदिरों के चढ़ावे का उपयोग

अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी की घटना हिंदू समाज को आहत और साथ ही इस मंदिर के ट्रस्ट के प्रति लोगों के भरोसे को चोट पहुंचाने वाली है। फिलहाल यह कहना कठिन है कि कितनी राशि की चोरी की गई और वह कब से जारी थी, लेकिन यह शर्मनाक है कि दान राशि उन्हीं लोगों ने हड़पी, जिन पर उसकी देख-रेख की जिम्मेदारी थी।

अभी तक इस मामले में आठ लोगों को गिरफ्तार कर विशेष जांच दल यानी एसआइटी की ओर से पूछताछ जारी है। मामले की गंभीरता और व्यापकता को देखते हुए एसआइटी की समय सीमा बढ़ा दी गई है। देखना है कि वह तय समय में अपनी जांच पूरी कर पाती है या नहीं? चूंकि राम मंदिर सदियों की प्रतीक्षा और संघर्ष के बाद बना, इसलिए उसके उद्घाटन के बाद से ही देश-विदेश के लोग अयोध्या आ रहे थे और हर महीने करोड़ों की दान राशि आ रही थी। इस दान राशि के उपयोग का अधिकार ट्रस्ट के पास है। दान राशि के उपयोग में सरकार का कोई हस्तक्षेप नहीं और वह होना भी नहीं चाहिए, लेकिन यह तो सुनिश्चित होना ही चाहिए कि ट्रस्ट उसका उपयोग सही तरह से करे।

जैसे राम मंदिर के लिए एक ट्रस्ट बना है, वैसे ही अन्य प्रमुख मंदिरों के लिए भी है। कुछ मंदिरों में भक्त करोड़ों का दान देते हैं। जहां कुछ मंदिरों के ट्रस्ट में सरकारी अधिकारी भी शामिल होते हैं, वहीं कुछ पूरी तौर पर सरकार की ओर से संचालित होते हैं। ऐसे मंदिरों को मिलने वाले चढ़ावे की राशि का उपयोग सरकारें अपने हिसाब से करती हैं। इसे लेकर कई बार सवाल

उठ चुके हैं कि क्या मंदिरों का चढ़ावा हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और हिंदू समाज के कल्याण के लिए ही होता है? ऐसे सवाल इसलिए उठते रहे हैं, क्योंकि कई मंदिरों की दान राशि का इस्तेमाल हिंदू धर्म के कल्याण से इतर कार्यों में भी किए जाने की खबरें आती रही हैं। आम तौर पर जो छोटे मंदिर हैं, उनके चढ़ावे की राशि तो पुजारियों, सेवादारों के गुजारे के साथ मंदिर के रखरखाव, भंडारे आदि के आयोजन में ही खर्च हो जाती है।

क्या इस सबसे हिंदू धर्म के प्रचार के उद्देश्य की पूर्ति हो जाती है? कुछ बड़े मंदिरों के ट्रस्ट शिक्षा संस्थान, अस्पताल, धर्मशालाएं आदि चलाते हैं, लेकिन इसका सटीक आंकड़ा शायद ही किसी के पास हो कि देश के प्रमुख मंदिरों को प्रति वर्ष कितना चढ़ावा मिलता है और उसका उपयोग किन-किन कार्यों में किया जाता है?

इसका कारण यह है कि इसकी कोई सुनिश्चित व्यवस्था नहीं कि चढ़ावे की राशि किन कार्यों में खर्च की जाएगी और किनमें नहीं? निःसंदेह मंदिरों को मिलने वाली चढ़ावे की राशि हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार और कल्याण में ही खर्च होनी चाहिए, लेकिन यह भी स्पष्ट होना चाहिए कि आखिर हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का काम प्रभावी तरीके से किस प्रकार किया जाए? क्या संस्कृत विद्यालयों अथवा गुरुकुलों का संचालन करने मात्र से हिंदू धर्म के प्रचार-प्रसार का उद्देश्य पूरा हो जाता है?

क्या हिंदू धर्म के वैभव प्रदर्शन से धर्म प्रचार का उद्देश्य पूरा हो जाता है? प्रश्न यह भी है कि क्या हिंदू धर्म का प्रचार केवल हिंदुओं के बीच होना चाहिए? विडंबना यह है कि इसे लेकर हिंदू धर्माचार्यों और मंदिर ट्रस्ट का संचालन करने वालों में कोई सहमति नहीं है।

हिंदू धर्म की विशेषता यह है कि यह किसी एक ग्रंथ या देव के दर्शन पर आधारित नहीं है। हिंदुओं को इसकी स्वतंत्रता है कि वे अपनी इच्छानुसार किसी इष्ट की पूजा-अर्चना करें। हिंदू धर्म के अनुयायियों के रीति-रिवाज भी अलग-अलग हैं और वे सब अपनी आस्था के अनुसार उनका पालन करने के लिए स्वतंत्र हैं। कोई कर्मकांडों को महत्व देता है तो कोई उनकी आवश्यकता नहीं समझता। हिंदू धर्म की विशेषताएं ही उसे अन्य धर्मों-पंथों से अलग करती हैं, लेकिन संभवतः इसी कारण इसकी कोई रूपरेखा भी नहीं बन सकी है कि आखिर हिंदू धर्म का व्यापक प्रचार-प्रसार कैसे हो? इसके विपरीत सनातन की शाखा समझे जाने वाले बौद्ध मत का प्रचार-प्रसार सुनियोजित तरीके से किया गया। इसका परिणाम यह है कि आज अनेक देशों में बौद्ध मत के अनुयायी हैं, लेकिन समय के साथ बौद्ध पंथ को हिंदू धर्म से अलग देखा जाने लगा। जैन और सिख पंथ भी सनातन की ही शाखा हैं। सभी अपने-अपने अनुसार अपने मत का प्रचार करते हैं, लेकिन यह किसी से छिपा नहीं कि ईसाइयत और इस्लाम का प्रचार करने वाले कहीं अधिक संगठित हैं और सुनियोजित हैं। इसीलिए उनसे जुड़े संगठनों पर मतांतरण के आरोप लगते रहते हैं।

संसार में शांति लाने के लिए, हमें पहले स्वयं शांत होना होगा। ऐसा हम ध्यानाभ्यास के द्वारा कर सकते हैं।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

क्या सरकार से असहमति अपराध है?

देश का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अधिकार देता है। इसके तहत कोई भी व्यक्ति शांतिपूर्ण तरीके से मौखिक, लिखित, कलात्मक और डिजिटल माध्यमों से अपने विचार व्यक्त कर सकता है। यह लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव है और किसी भी देश के चहुंमुखी विकास के लिए यह अत्यंत आवश्यक है। मगर सवाल है कि क्या सरकार की नीतियों या फैसलों का विरोध करना अपराध की श्रेणी में आता है? इस पर अदालतों की ओर से समय-समय पर स्थिति स्पष्ट की जाती रही है और इसी क्रम में अब बॉम्बे हाई कोर्ट ने अपने एक महत्त्वपूर्ण फैसले में कहा है कि देश के नागरिकों को सरकार का गुलाम नहीं बनाया जा सकता। किसी व्यक्ति को सिर्फ इसलिए जिलाबदर करने का आदेश नहीं दिया जा सकता कि वह सरकार के खिलाफ आंदोलनों और विरोध प्रदर्शनों में शामिल है। ऐसा करना निश्चित रूप से उसके मौलिक अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार को प्रभावित करता है।

सहमति और असहमति दो ऐसे पहलू हैं, जिनकी लोकतंत्र को मजबूती देने में अहम भूमिका है। संवैधानिक अधिकारों के लिहाज से देखा जाए, तो अगर कोई व्यक्ति शासन-प्रशासन की

नीतियों, व्यवस्था या किसी विचारधारा का विरोध करता है, तो उसे स्वस्थ आलोचना के तौर पर देखा जाना चाहिए।

मगर देश में ऐसे मामले अक्सर सामने आते रहते हैं, जब इस तरह की आलोचना को साजिश या बगावत बता दिया जाता है। ऐसे में यह सवाल महत्त्वपूर्ण है कि अगर हर आलोचना या असहमति को अपराध की श्रेणी में रखा जाएगा, तो लोकतंत्र का मूल तत्त्व कैसे जीवित रह पाएगा?

बॉम्बे हाई कोर्ट ने भी अपने फैसले में यह सवाल उठाया है कि आम नागरिक सरकार की किसी कार्रवाई या फैसले के खिलाफ शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन क्यों नहीं कर सकते? क्या यह नागरिकों को सरकार का गुलाम बनाने जैसा नहीं है? इसमें दोराय नहीं कि अगर अन्याय के खिलाफ और सुधार की मांग के पक्ष में उठने वाली हर आवाज को दबाने की कोशिश की जाए, तो यह लोकतांत्रिक मूल्यों पर आघात नहीं, तो और क्या होगा।

अमेरिका स्थित स्वतंत्र प्रबुद्ध संस्था 'द फ्यूचर ऑफ फ्री स्पीच' के एक नए वैश्विक सर्वेक्षण के मुताबिक, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के मामले में दुनिया के प्रमुख 33 देशों में भारत 24वें स्थान पर है। रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि अभिव्यक्ति की आजादी के लिए सैद्धांतिक समर्थन मजबूत बना हुआ है, लेकिन इस अधिकार की रक्षा करने की प्रतिबद्धता दुनिया के कई हिस्सों में कमजोर हो रही है, जिनमें भारत भी शामिल है।

यह छिपा नहीं है कि हाल के वर्षों में देश के भीतर शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शनों को भी साजिश बताया जाने लगा है। फिर चाहे विद्यार्थियों का परीक्षाओं की शुचिता को लेकर आवाज उठाना हो या फिर अपनी मांगों को लेकर कर्मचारियों का सड़क पर उतरना। विपक्षी दलों की ओर से भी यह आरोप लगाया जाता रहा है कि सरकार की नीतियों का विरोध करने पर उनके खिलाफ प्रतिशोध की भावना से कार्रवाई की जाती है।

अगर कोई व्यक्ति सरकार के निर्णय का विरोध करता है, तो उसके खिलाफ मामला दर्ज करना कितना उचित है, इस पर विचार किया जाना चाहिए। यह याद रखना अत्यंत आवश्यक है कि अगर लोकतंत्र को सही मायने में जिंदा रखना है, तो नागरिकों के तमाम अधिकारों की रक्षा करना सरकार का प्राथमिक कर्तव्य होना चाहिए।

पिता की चिट्ठियों से 146 साल पुराने पोस्टकार्ड तक...

जरा हट के

मोबाइल और इंटरनेट के दौर में जहां चिट्ठी-पत्री की परंपरा लगभग समाप्त हो चुकी है, वहीं बीकानेर के संग्रहकर्ता भारत भूषण गुप्ता ने डाक इतिहास की अनमोल धरोहर को आज भी सहेजकर रखा है. उनके पास वर्ष 1879 से लेकर वर्तमान समय तक के सैकड़ों पोस्टकार्डों का दुर्लभ संग्रह मौजूद हैं. इन पोस्टकार्डों के माध्यम से भारत की डाक व्यवस्था, संचार प्रणाली और विभिन्न ऐतिहासिक दौर की झलक साफ दिखाई देती है. उनका यह अनूठा संग्रह डाक इतिहास, विरासत और स्मृतियों को सहेजने का प्रेरणादायक उदाहरण बन गया है.

भारत भूषण गुप्ता ने बताया कि भारत में वर्ष 1879 से पोस्टकार्ड का प्रचलन शुरू हुआ था. उस समय देश में ईस्ट इंडिया कंपनी के शासन के बाद ब्रिटिश शासन का दौर था और महारानी विक्टोरिया का प्रभाव था. उनके संग्रह में उस समय के पोस्टकार्ड

आज भी सुरक्षित हैं. इसके अलावा किंग एडवर्ड, किंग जॉर्ज पंचम और किंग जॉर्ज षष्ठम के शासनकाल में जारी किए गए पोस्टकार्ड भी उनके संग्रह की शोभा बढ़ाते हैं. आजादी के बाद जारी हुए विभिन्न मूल्य वर्ग के पोस्टकार्ड भी उन्होंने बड़ी मेहनत से संजोकर रखे हैं.

उन्होंने बताया कि उनके संग्रह में तीन पैसे, पांच पैसे, छह पैसे, दस पैसे, पंद्रह पैसे, बीस पैसे, पच्चीस पैसे और पचास पैसे मूल्य वाले 50 से अधिक प्रकार के पोस्टकार्ड मौजूद हैं. समय के साथ इनकी कीमत और स्वरूप बदलते गए, लेकिन इनकी ऐतिहासिक महत्ता आज भी बरकरार है. उनके अनुसार हर पोस्टकार्ड अपने समय की एक अलग कहानी बयां करता है. भारत भूषण गुप्ता के संग्रह में कई ऐसे पोस्टकार्ड भी हैं, जो बेहद दुर्लभ माने जाते हैं. इनमें प्रतियोगिता पोस्टकार्ड विशेष आकर्षण का केंद्र है. यह पोस्टकार्ड दो रुपये का होता था और आज आसानी से देखने को नहीं मिलता. इसके अलावा भारत में पोस्टकार्ड सेवा के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर डाक विभाग द्वारा जारी किया गया विशेष स्मारक पोस्टकार्ड भी उनके संग्रह में शामिल है. एयर मेल के माध्यम से भेजे जाने वाले पोस्टकार्ड भी उन्होंने सुरक्षित रखे हैं, जो उस दौर की डाक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा रहे हैं.

कर्नाटक का 'वांगी भात'

वांगी भात सामग्री :

- 3 कप पके चावल
- 3 मीडियम साइज बैंगन
- 1 चम्मच उड़द दाल
- 1 चम्मच चना दाल
- 1 चुटकी हींग
- 2 चम्मच सरसों
- 3-4 कड़ी पत्ता
- 2 चम्मच मूंगफली
- 1/2 कप हल्दी
- 2 बड़े चम्मच इमली पाउडर
- 2 चम्मच वांगी भात पाउडर
- स्वादानुसार नमक
- 2 बड़े चम्मच बारीक कटा धनिया
- 14-18 सूखी लाल मिर्च
- 1/4 कप चना दाल
- 1/4 कप उड़द दाल
- 1/4 कप सूखा और कद्दूकस नारियल
- 1/2 कप मेथी दाना
- 1/4 सूखा धनिया
- 1 बड़े चम्मच जीरा
- 2 छोटे चम्मच खसखस
- 2-3 इंच दालचीनी

- 8-10 लौंग
- 4 इलायची
- 1/2 चम्मच तेल

विधि

पैन में तेल गर्म करें और उसमें सूखी लाल मिर्च डालें। लाल मिर्च भुनने के बाद उसमें उड़द-चना दाल के साथ सभी मसाले डालें। जब दाल और मसाले क्रिस्प हो जाएं तो उन्हें अलग रख दें। अब इसके बाद घिसा हुआ नारियल डालकर रोस्ट करें। ध्यान रहे कि वह जलने न पाए। पूरे मसाले को ठंडा होने के लिए रख दें। जब मसाला ठंडा हो जाए तो उसे जार में डालकर पाउडर बना लें। इस स्टेप में बैंगर को धोकर लंबा-लंबा काट लें। दोबारा से पैन में तेल डालें। उसमे सरसों, दालें, हींग, कड़ी पत्ता और मूंगफली डालकर भून लें। मूंगफली के रोस्ट हो जाने तक सौटे कर लें। अब बैंगन में हल्दी, नमक और इमली का पाउडर डालकर मिक्स करें। कुकर में डालकर बैंगन को पका लें। इसके बाद बैंगन में वांगी भात पाउडर और थोड़ा सा पानी मिक्स करें। इसमें पके हुए चावल मिलाकर अच्छे से मिक्स कर लेना है और आखिर में ऊपर से धनिया डालकर गार्निश करें।

स्नेक प्लांट केवल सजावट के लिए ही नहीं

घर और ऑफिस की हवा को रखता है साफ

आजकल लोग अपने घरों और कार्यालयों को हरा-भरा और आकर्षक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के इनडोर पौधे लगाते हैं. इन्हीं में से एक है स्नेक प्लांट (संसेविएरिया), जो अपनी खूबसूरत लंबी पत्तियों के साथ-साथ स्वास्थ्य संबंधी कई लाभों के लिए भी जाना जाता है. यह ऐसा पौधा है जो कम देखभाल में आसानी से बढ़ता है और जहां रख दिया जाए, वहां की सुंदरता बढ़ाता है. वास्तु शास्त्र में भी इस पौधे की कई खास बातें बताई गई हैं. अगर सही दिशा में इस पौधे को लगाया जाए तो यह कई फायदे दिला सकता है. साथ ही इसकी लंबी, हरी और आकर्षक पत्तियां घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ वातावरण को भी बेहतर बनाने में मदद करती हैं. यही वजह है कि कई लोग इसे बेडरूम या ऑफिस में रखना पसंद करते हैं.

स्नेक प्लांट की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यह हवा को शुद्ध करने में सहायक माना जाता है. यह वातावरण में मौजूद कुछ हानिकारक तत्वों जैसे फॉर्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन जैसे प्रदूषकों के स्तर को कम करने में मदद कर सकता है. यही कारण है कि इसे घर, कार्यालय और अन्य इनडोर स्थानों के लिए एक लोकप्रिय पौधा माना जाता है.

स्नेक प्लांट की एक और खास बात यह है कि यह रात के समय भी ऑक्सीजन छोड़ता है, जिससे नींद अच्छी आती है और हवा शुद्ध रहती है. यह हवा में मौजूद टॉक्सिन्स जैसे फार्मल्डिहाइड, बेंजीन और ट्राइक्लोरोएथिलीन को कम करता है. इसी वजह से कई लोग इसे बेडरूम में रखना पसंद करते हैं. इसके अलावा, स्नेक प्लांट को अधिक पानी या धूप की जरूरत नहीं होती. सही देखभाल के साथ यह लंबे समय तक हरा-भरा बना रहता है.

स्नेक प्लांट मानसिक सुकून देने में भी मददगार माना जाता है. घर या कार्यस्थल पर हरियाली का होना तनाव कम करने और सकारात्मक माहौल बनाने में सहायक हो सकता है. इसकी सादगी और आकर्षक बनावट कमरे की सुंदरता बढ़ाने के साथ मन को भी ताजगी का एहसास कराती है.

हालांकि स्नेक प्लांट के कुछ नुकसान भी हैं. जरूरत से ज्यादा पानी देने पर इसकी जड़ें सड़ सकती हैं और पौधा खराब हो सकता है. इसके अलावा, अगर इसकी पत्तियां पालतू कुत्ते, बिल्ली या छोटे बच्चे गलती से खा लें, तो उन्हें उल्टी, मतली या पेट संबंधी परेशानी हो सकती है. इसलिए इसे बच्चों और पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखना बेहतर होता है.

अगर आप ऐसे पौधे की तलाश में हैं जिसकी देखभाल आसान हो तो स्नेक प्लांट एक अच्छा विकल्प है. इसे बार-बार पानी देने की आवश्यकता नहीं होती. सामान्यतः सप्ताह में एक बार या मिट्टी पूरी तरह सूखने पर ही पानी देना पर्याप्त रहता है. अधिक पानी देने से इसकी जड़ों को नुकसान पहुंच सकता है. यह अप्रत्यक्ष धूप या हल्की रोशनी में भी अच्छी तरह बढ़ता है, इसलिए व्यस्त लाइफस्टाइल वाले लोगों के लिए यह उपयुक्त पौधा है.

वास्तु शास्त्र में भी बताए हैं फायदे

वास्तु शास्त्र में स्नेक प्लांट का पौधा घर या कार्यस्थल पर लगाने के कई फायदे बताए गए हैं. स्नेक प्लांट को हमेशा घर के ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) में रखना चाहिए. इसके साथ ही घर के उत्तर या पूर्व दिशा में पौधे को रखना शुभ माना जाता है. ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा दूर रहती है और सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बना रहता है.

आज का राशिफल

मेष : आज कम प्रयास से काम बनेंगे। धनार्जन होगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा। परिवार से संबंध घनिष्ठ होंगे। नए संबंधों के प्रति सतर्क रहें। भूल करने से विरोधी बढ़ेंगे। रुके धन की प्राप्ति में अड़चनें आएंगी।

वृषभ : घर में आज मेहमानों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। आत्मसम्मान बढ़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यापार में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। अपने काम से काम रखें। दूसरों के विश्वास में न आएं। परिवार में तनावपूर्ण माहौल रह सकता है।

मिथुन : आज धन के लेन-देन में सावधानी रखें। रोजगार मिलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अचानक लाभ होगा। धन संबंधी कार्यों में विलंब से चिंता हो सकती है। लाभदायक समाचार मिलेंगे। कार्य के विस्तार की योजना बनेगी। संत-समागम होगा।

कर्क : चोट व रोग से हानि संभव है। कुसंगति से हानि होगी। विवाद न करें। फालतू खर्च बढ़ेंगे। आवास संबंधी समस्या का समाधान संभव है। आवेश में कोई कार्य नहीं करें। सामाजिक एवं राजकीय ख्याति में अभिवृद्धि होगी। व्यापार अच्छा रहेगा।

सिंह : शारीरिक कष्ट संभव है। लेन-देन में सावधानी रखें। सुख के साधन जुटेंगे। रुका हुआ धन मिलेगा। अधूरे काम समय पर सफलता से होने पर उत्साह बढ़ेगा। वाहन चलाते समय सावधानी रखें। व्यापार के कार्य से बाहर जाना पड़ सकता है।

कन्या : दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। नई योजना बनेगी। कार्यप्रणाली में सुधार होगा। आय बढ़ेगी। भोग-विलास में रुचि बढ़ेगी। जीवनसाथी से संबंधों में प्रगाढ़ता आएगी। स्थायी संपत्ति के मामले उलझेंगे। कार्य में मित्रों की मदद मिलेगी। आर्थिक मनोबल बढ़ेगा।

तुला : कोर्ट व कचहरी में अनुकूलता रहेगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। थकान रहेगी। परिवार एवं समाज में आपके कामों को महत्व एवं सम्मान प्राप्त हो सकेगा। वाणी पर संयम आवश्यक है। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा।

वृश्चिक : चोरी, चोट व विवाद आदि से हानि संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। धनार्जन होगा। भागदौड़, बाधाओं व सतर्कता के बाद सफलता मिलेगी। पारिवारिक सुख, संतोष बढ़ेगा। उपहार मिलने के योग हैं। अधिक व्यय न करें। खर्चों में कमी करें।

धनु : पुराना रोग उभर सकता है। बेचैनी रहेगी। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा। कानूनी बाधा दूर होगी। रुका धन मिलने से धन संग्रह होगा। कार्य में भागीदार सहयोग करेंगे। विकास की योजनाएं बनेंगी। दांपत्य जीवन में गलतफहमी आ सकती है।

मकर : घर-परिवार की चिंता रहेगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। बेरोजगारी दूर होगी। आपका सामाजिक क्षेत्र बढ़ेगा। लाभदायक सौदे होंगे। विपरीत परिस्थितियों का सफलता से सामना कर सकेंगे। जीवनसाथी से आर्थिक मतभेद हो सकते हैं।

कुंभ : शत्रु परास्त होंगे। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। किसी नए कार्य में भाग लेने के योग हैं। विद्वानों के साथ रहने का अवसर मिलेगा। व्यापार में भागीदार सहयोग करेंगे।

मीन : अचानक यात्रा के भी अच्छे फल मिलेंगे। आमदनी में वृद्धि होगी। प्रसिद्धि एवं सम्मान में इजाफा होगा। नौकरी में उन्नति के योग हैं। घर-परिवार की चिंता रहेगी। विवाद को बढ़ावा न दें। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जोखिम न लें। शारीरिक कष्ट संभव है।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

कुकर में बने चावल हो जाते हैं सख्त?

अपनाएं ये आसान तरीके

चावल भारतीय थाली का अहम हिस्सा है. इसमें कोई दोराय नहीं कि प्रेशर कुकर में चावल बनना बहुत ही आसान होता है, साथ ही इसमें टाइम भी कम लगता है. लेकिन चावल बनाने का ये तरीका तभी अच्छा होता है, जब तुरंत खाना हो. क्योंकि ज्यादा देर होने के बाद चावल के दाने सख्त होने लगते हैं. जब चावल ताजा बनते हैं तो वे नरम और स्वादिष्ट लगते हैं, लेकिन ठंडा होने के बाद उनका टेक्सचर बदल जाता है. ऐसे चावल खाने में भी अच्छे नहीं लगते. ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि आपके चावल लंबे समय तक मुलायम बने रहें, तो कुछ आसान किचन टिप्स आपकी मदद कर सकते हैं.

चावल पकाने से पहले करें ये काम

सबसे पहले चावल को अच्छी तरह साफ पानी से धो लें. इसके बाद उन्हें 15 से 20 मिनट तक गुनगुने पानी में भिगोकर रखें. ऐसा

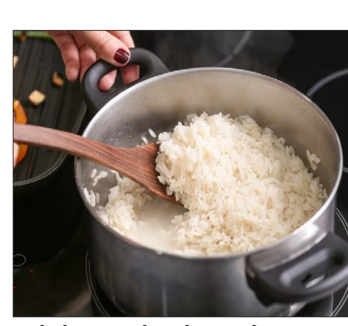

करने से चावल के दाने नमी सोख लेते हैं और पकने के बाद ज्यादा मुलायम बनते हैं. अब चावल को कुकर में डालें और उसमें एक छोटा चम्मच देसी घी या तेल मिला दें. यह छोटा सा उपाय चावल के दानों को बेहतर टेक्सचर देने में मदद कर सकता है. चावल पकाते समय पानी की मात्रा भी थोड़ी ज्यादा रखें, ताकि दाने अच्छी तरह पक सकें.

कुकर तुरंत न खोलें

जब कुकर में सीटी आ जाए, तो गैस बंद कर दें लेकिन तुरंत ढक्कन न खोलें. कुकर को 5 से 10 मिनट तक ऐसे ही रहने दें. इस दौरान अंदर की भाप चावल को और अच्छी तरह पकाती है, जिससे वे ज्यादा नरम और फूले हुए बनते हैं.

धीमी भाप का तरीका भी है असरदार

अगर आप चावल को और ज्यादा सॉफ्ट बनाना चाहते हैं, तो पानी डालने के बाद कुकर को तुरंत बंद न करें. कुछ मिनट तक ढक्कन रखकर हल्की भाप बनने दें. इसके बाद कुकर बंद करके सामान्य तरीके से चावल पकाएं. यह तरीका भी चावल की नर्माहट बनाए रखने में मदद करता है.

चावल को ढककर रखना जरूरी

चावल तैयार होने के बाद उन्हें खुला न छोड़ें. हमेशा ढक्कन लगाकर रखें ताकि उनकी नमी बनी रहे. सर्दियों में चावल को तुरंत फ्रिज में रखने की जरूरत नहीं होती. आप उन्हें सामान्य तापमान पर भी रख सकते हैं. अगर चावल ठंडे हो जाएं, तो खाने से पहले उन्हें ढककर हल्का गर्म कर लें. ढक्कन लगाकर गर्म करने से भाप अंदर बनी रहती है और चावल दोबारा मुलायम हो जाते हैं.

पालक में छिपे हो सकते हैं लाखों बैक्टीरिया

खाने से पहले जान लें धोने का सही तरीका

बारिश के मौसम में पालक की पत्तियों में मिट्टी, धूल, छोटे कीड़े और बैक्टीरिया मौजूद हो सकते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदायक साबित होते हैं. इसलिए जब आप पालक को सलाद या अन्य कच्ची डिश में इस्तेमाल करते हैं, तब उसकी सफाई पर अधिक ध्यान दें. अगर आप भी पालक को सही तरीके से साफ करने का आसान तरीका जानना चाहते हैं, तो यहां बताए गए टिप्स आपके बहुत काम आ सकते हैं.

पालक को धोने के लिए सबसे पहले क्या करना चाहिए?

पालक साफ करने के लिए एक बड़े बर्तन में ठंडा पानी भरें. अब पालक की पत्तियों को उसमें डालकर हल्के हाथों से हिलाएं. इससे पत्तियों पर लगी मिट्टी नीचे बैठ जाएगी और पालक साफ हो जाएगी.

बर्तन से निकालने के बाद हर पत्ती को बहते हुए साफ पानी में एक बार और धो लें. इससे बची हुई धूल और गंदगी भी निकल जाती है.

धोने के बाद पालक को साफ कपड़े या पेपर टॉवल से हल्के हाथों से सुखाएं. ज्यादा दबाव डालने से पत्तियां खराब हो सकती हैं.

कुछ पालक की पत्तियां मुड़ी हुई या घुंघराली होती हैं, इनमें मिट्टी और छोटे कीड़े आसानी से फंस सकते हैं. इसलिए ऐसी पत्तियों को धोते समय हर कोने की अच्छी तरह सफाई करें.

पालक को स्टोर करने से पहले धोना सही नहीं माना जाता. ज्यादा नमी के कारण पालक जल्दी खराब हो सकती है. बेहतर होगा कि जब इस्तेमाल करना हो तभी उसे धोएं.

पालक की मुरझाई हुई, फटी हुई या चिपचिपी पत्तियों को इस्तेमाल न करें. ऐसी पत्तियों में बैक्टीरिया तेजी से बढ़ सकते हैं और बाकी पत्तियों को भी खराब कर सकते हैं.

पालक धोने और काटने से पहले अपने हाथों को साबुन और पानी से अच्छी तरह साफ करें. इससे संक्रमण का खतरा कम होता है.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

करंट लगने से रात में सोते हुए पति-पत्नी की मौत

आगरा. आगरा में शमसाबाद थाना क्षेत्र के गांव कुतकपुर में शनिवार देर रात एक दर्दनाक हादसे में पति-पत्नी की करंट लगने से मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की जांच शुरू कर दी है। मामले में प्राप्त जानकारी के अनुसार, कुतकपुर निवासी जगदीश पुत्र घीराम सिंह गांव में परचून की दुकान संचालित करने के साथ-साथ खेती-किसानी का कार्य भी करते थे। उनकी शादी लगभग 14 वर्ष पूर्व शशि देवी के साथ हुई थी। दंपति के चार बच्चे हैं, जिनमें दो बेटियां मोना और सोना तथा दो बेटे सूर्य और हेमंत शामिल हैं। बताया गया है कि शनिवार रात करीब 11 बजे जगदीश अपनी परचून की दुकान बंद कर घर पहुंचे थे। खाना खाने के बाद वह अपनी पत्नी शशि के साथ कमरे में सोने चले गए। आशंका जताई जा रही है कि कमरे में चल रहे कूलर में बिजली का करंट उतर आया था।

पत्नी से प्रताड़ित होकर युवक ने दी जान

बरेली. यूपी के बरेली में पत्नी और ससुराल वालों से प्रताड़ित नर्सिंग असिस्टेंट को सुभाषनगर पुलिस से मदद नहीं मिली तो उसने जहर खाकर जान दे दी। मामले की जांच को एसपी सिटी के नेतृत्व में कमेटी गठित की गई है। सुभाषनगर में बालाजी मंदिर के पास रहने वाले 40 वर्षीय कुलदीप गोस्वामी निजी अस्पताल में नर्सिंग असिस्टेंट थे। पहली पत्नी दयावती से तलाक के बाद कुलदीप ने कैंट में सदर बाजार की गुंजन उर्फ गुंजा कुमारी से दूसरी शादी की। कुलदीप के पिता सत्यपाल का आरोप है कि गुंजा ने षड्यंत्र के तहत शादी की और उनके घर से जेवर व रुपये चोरी कर मायके पहुंचाना शुरू कर दिया। इस पर विवाद शुरू हुआ तो गुंजा ने एक जुलाई को महिला थाने में दहेज उत्पीड़न व फिर तीन जुलाई को सुभाषनगर थाने में उनके छोटे बेटे पर दूसरी रिपोर्ट दर्ज करा दी। आरोप है कि शुक्रवार रात गुंजा, उसकी बहन रीना, भाई अमित व बहनोई सतीश ने कुलदीप को घर बुला प्रताड़ित किया। इससे आहत कुलदीप ने जहर खा लिया तो आरोपियों ने बेहोशी की हालत में उसे मुख्य डाकघर के पास फेंक दिया।

सगाई फंक्शन में कई राउंड फायरिंग, अवैध संबंध के चलते चचेरे भाई की गोली मारकर हत्या

मथुरा. मथुरा में गोवर्धन रोड स्थित ज्योति फार्म हाउस पर शनिवार शाम करीब 05:30 बजे एक युवक ने लाइसेंसी पिस्टल से गोली मारकर अपने चचेरे भाई की हत्या कर दी। पुलिस को मामले की जानकारी दी गई। इस घटना वारदात की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया। पुलिस ने आरोपी को मौके से ही हथियार समेत दबोच लिया है। पुलिस के अनुसार वारदात के पीछे अवैध संबंध का मामला है। मामले में मिली जानकारी के अनुसार शनिवार शाम करीब 5:30 बजे थाना हाइवे पुलिस को डायल 112 के माध्यम से सूचना मिली कि गोवर्धन रोड स्थित ज्योति फार्म हाउस में एक युवक को गोली मारकर हत्या कर दी गई है। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी रिफाइनरी प्रवीन कुमार मिश्रा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंच गये।

'मुझे रोकना है तो मारना पड़ेगा'

- **ममता बोलीं- गद्दारी की भी एक सीमा होती है;**
- **बागी नेताओं को चुनौती- हिम्मत है तो भाजपा में शामिल हो**

कोलकाता. पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में हार के बाद तृणमूल कांग्रेस (TMC) में जारी बगावत के बीच ममता बनर्जी ने कहा कि पार्टी का चुनाव चिह्न कहीं नहीं जाएगा। अगर मुझे रोकना है तो मुझे मारना पड़ेगा।

ममता ने बागी नेताओं को चुनौती देते हुए कहा, 'अगर हिम्मत है तो खुलकर BJP में शामिल हो जाओ। तुम्हें क्या लगता है कि मैं खत्म हो गई हूं? मैं जनता के बीच पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर जाऊंगी, मेरी आवाज कोई नहीं दबा सकता।'

उन्होंने आरोप लगाया कि बागी नेता अब खुलकर BJP के लिए काम कर रहे हैं। ममता ने कहा, 'गद्दारी की भी एक सीमा होती है।' ममता का यह बयान ऐसे समय आया है, जब पार्टी के 20 सांसद और 58 विधायक अलग गुट बना चुके हैं। शनिवार को टीएमसी की पश्चिम बंगाल अध्यक्ष चंद्रिमा भट्टाचार्य ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। बाद में वह बागी गुट के नेता और विधानसभा में विपक्ष के नेता ऋतब्रत बनर्जी के साथ नजर आईं।

ममता ने क्यों चुनौती दी?

- ममता का साथ छोड़कर अलग हुए बागी विधायक और सांसद फिलहाल भाजपा में शामिल नहीं हुए हैं।
- 3 जून को TMC के 80 में से 58 विधायक ममता बनर्जी के नेतृत्व से अलग हो गए थे। उन्होंने अलग गुट बनाया, पार्टी सिंबल और नाम पर दावा किया।
- इसके अलावा 15 जून को टीएमसी के 20 सांसदों ने भी पार्टी छोड़कर त्रिपुरा की नेशनलिस्ट सिटिजंस पार्टी (NCPI) में विलय कर लिया था।

ममता बोलीं- जिस पार्टी के दम पर चुनाव जीते, अब उसी से गद्दारी कर रहे

पूर्व सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि जिन नेताओं ने उनके पार्टी सिंबल पर चुनाव जीता, वही अब कह रहे हैं कि 2023 के बाद पार्टी का अस्तित्व नहीं रहा। पार्टी ने ही उन्हें राजनीतिक पहचान दी, लेकिन अब वे उसी पार्टी के साथ विश्वासघात कर रहे हैं और खुले तौर पर भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। अगर हिम्मत है तो खुलकर भाजपा में शामिल हो जाइए।

ख्वाजा आसिफ की दिमागी हालत ठीक नहीं

- **पाकिस्तान के रक्षा मंत्री पर भारत का पलटवार**

नई दिल्ली. सेशेल्स के नए राष्ट्रपति सम्मान को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर टिप्पणी करना पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ को भारी पड़ गया है। भारत सरकार ने उनके इस बयान पर बेहद तीखा और कड़ा पलटवार किया है। सरकारी सूत्रों ने ख्वाजा आसिफ की मानसिक स्थिति पर सवाल उठाते हुए कहा है कि उनके पास कोई काम धंधा नहीं है और वे उन मामलों पर बचकाने कमेंट करके अपना वक्त काट रहे हैं, जिनकी उन्हें रत्ती भर भी समझ नहीं है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, भारत सरकार के उच्च पदस्थ सूत्रों ने पाकिस्तानी रक्षा मंत्री को आड़े हाथों लिया। सूत्रों ने तंज कसते हुए कहा कि ख्वाजा आसिफ को रक्षा मंत्रालय जैसी बड़ी जिम्मेदारी मिलना ही आज के पाकिस्तान के बदतर हालात को बयां करता है।

भारत सरकार के सूत्रों ने कहा, 'यह हर कोई जानता है कि ख्वाजा आसिफ मानसिक रूप से अस्थिर हैं। उन्हें मौजूदा जिम्मेदारी सौंपा जाना आज के पाकिस्तान के बारे में बहुत कुछ बताता है। साफ है कि उनके पास दिन भर करने के लिए कोई काम नहीं है। वे उन चीजों पर फालतू की टिप्पणी करके समय बर्बाद करते हैं, जिनका उन्हें कोई ज्ञान नहीं है। नफरत से भरे किसी व्यक्ति के भीतर से जब ईर्ष्या (जलन) बाहर आती है, तो वह बहुत ही घटिया लगती है।'

यह तीखी प्रतिक्रिया तब आई जब आसिफ ने पीएम मोदी को मिले सेशेल्स के सम्मान का मजाक उड़ाया था और इसे 'पहले से सेटिंग करके' तैयार किया गया सम्मान बताया था।

इंस्टाग्राम पर बाल यौन शोषण विज्ञापन मामले में नोटिस जारी

- **सरकार ने 7 दिन में जवाब मांगा**
- **ऐसे कंटेंट को ब्लॉक करने और हटाने को कहा**

नई दिल्ली. इंस्टाग्राम पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़े कंटेंट को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों को लेकर सरकार ने पैरेंट कंपनी Meta को नोटिस भेजा। न्यूज एजेंसी PTI के अनुसार कंपनी को 7 दिन में इस नोटिस का जवाब देना होगा। ये नोटिस 4 जुलाई को जारी किया गया है।

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार IT मिनिस्ट्री ने इंस्टाग्राम को अपने प्लेटफॉर्म पर बाल यौन शोषण को बढ़ावा देने वाले या ऐसे कंटेंट तक पहुंच बनाने वाले सभी विज्ञापनों को तुरंत ब्लॉक करने और हटाने के निर्देश दिए हैं।

दरअसल, बीबीसी ने अपनी इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट में बताया था कि इंस्टाग्राम भारत में बच्चों के यौन शोषण से जुड़े विज्ञापन दिखा रहा है। इससे पहले सरकार ने 1 जुलाई को Meta को नोटिस जारी कर

WhatsApp के यूजरनेम फीचर पर नोटिस भेजा था।

BBC रिपोर्ट- Meta पर यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट सस्ता मिल रहा

BBC की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इंस्टाग्राम पर चाइल्ड सेक्शुअल एब्यूज मैटेरियल मौजूद हैं। भारत में इंस्टाग्राम पर ऐसे पेड विज्ञापन चल रहे थे, जिनमें 'रेप वीडियो' और 'चाइल्ड वीडियो' जैसे शब्दों का इस्तेमाल किया गया था।

इन विज्ञापनों पर क्लिक करने के बाद यूजर्स को टेलीग्राम चैनलों पर भेजा जाता था, जहां कथित तौर पर बच्चों के यौन शोषण से जुड़ा कंटेंट बेहद कम कीमत 99 रुपए में बेचा जा रहा था।

रिपोर्ट के मुताबिक, इंस्टाग्राम पर दिखने वाले सभी विज्ञापन पहले Meta के मॉडरेशन सिस्टम से मंजूरी मिलने के बाद ही लाइव होते हैं।

BBC ने जब ऐसे ही एक विज्ञापन की शिकायत इंस्टाग्राम से की, तो करीब 24 घंटे बाद कंपनी ने जवाब दिया कि यह पोस्ट उसकी कम्युनिटी गाइडलाइन का उल्लंघन नहीं है। इसके बाद BBC ने मेटा से इस मामले पर जवाब मांगा। तब कंपनी ने कहा कि उसने कई विज्ञापनों को हटा दिया है, संबंधित अकाउंट्स को सस्पेंड किया है और उन URL को हटा देने का दावा किया।

जम्मू-कश्मीर में 2 लश्कर आतंकी मारे जाने की खबर

- **एक पहलगाम हमले के बाद बनी हिट लिस्ट में शामिल था;**
- **शोपियां में 3 घंटे चला एनकाउंटर**

शोपियां. जम्मू-कश्मीर के शोपियां के सैदपोरा इलाके में शनिवार शाम से चल रही मुठभेड़ में लश्कर के 2 आतंकियों के मारे जाने की खबर है। सुरक्षाबलों ने इसकी पुष्टि नहीं की है। हालांकि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक मारे गए दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा (LeT) के टॉप ऑपरेटिव थे।

एक आतंकी जाकिर अहमद गनी उन 14 आतंकियों की लिस्ट में शामिल था, जिसे पहलगाम हमले के बाद खुफिया एजेंसियों ने जारी किया था। दूसरा आतंकी जाकिर का साथी लतीफ भट है।

सुरक्षाबलों को शोपियां के सैदपोरा पायीन के पास छानपोरा इलाके में आतंकियों के छिपे होने की खबर मिली थी। घेराबंदी के दौरान जब जवान आतंकियों के ठिकाने के करीब पहुंचे तो उन्होंने फायरिंग कर दी।

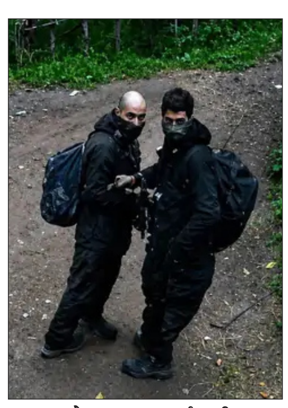

मुठभेड़ 4 जुलाई की शाम 7:45 बजे शुरू हुई थी। अंधेरे के कारण एनकाउंटर और सर्च ऑपरेशन रात में रोक दिया गया था। अभी तक आतंकियों के शव भी बरामद नहीं हुए हैं।

- **विक्टर फोर्स ने संभाला मोर्चा, आतंकी दिखे तो 4 गांव खाली कराए**

यह ऑपरेशन शुक्रवार दोपहर को शुरू किया गया था, जब सात गांव वाले मोमिंदर इलाके के एक बाग में लगे सेना के कैमरे में ये दो आतंकी दिखाई दिए। सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) की कई टुकड़ियों की टीम ने इलाके को घेराबंदी की और शाम तक 4 गांव खाली करा लिए।

सेना की खास एंटी टेररिज्म यूनिट, 'विक्टर फोर्स' ने बाग के घने पेड़ों के बीच से भागने के सभी संभावित रास्तों को बंद करने के लिए अतिरिक्त जवान तैनात किए और इलाके में रोशनी का इंतजाम भी किया।

जब सेना के जवान उनकी ओर बढ़े तो उन्होंने गोलीबारी शुरू कर दी, जिसके जवाब में सेना ने भी प्रभावी ढंग से जवाबी कार्रवाई की और मुठभेड़ शुरू हो गई।

अमरनाथ यात्रा तीसरा दिन, 9 जुलाई तक रजिस्ट्रेशन स्लॉट फुल

जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने बिना रजिस्ट्रेशन करवाए अमरनाथ पहुंच रहे यात्रियों से कहा है कि वे अपनी यात्रा कुछ दिन के लिए टाल दें। प्रशासन के मुताबिक, 9 जुलाई तक सभी रजिस्ट्रेशन स्लॉट पूरी तरह भर चुके हैं। ऐसे में अगर कोई यात्री बिना रजिस्ट्रेशन बालटाल या पहलगाम रूट से आगे बढ़ने की कोशिश करेगा तो उसे चेक पॉइंट्स पर रोक दिया जाएगा। उसे 9 जुलाई के बाद ही आगे बढ़ने दिया जाएगा। अधिकारियों ने कहा कि रविवार से केवल रजिस्टर्ड यात्री ही कश्मीर की ओर जाने की अनुमति दी जाएगी।

पंडवानी गायिका तीजन बाई पंचतत्व में विलीन

- **राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार**
- **नाना से प्रेरणा मिली**
- **13 की उम्र में पहली बार गाया**

अंतिम संस्कार किया गया।

रायपुर. छत्तीसगढ़ की लोक कला और पंडवानी गायन को वैश्विक पहचान दिलाने वाली पद्म विभूषण तीजन बाई का निधन हो गया। वे 70 साल की थीं। उन्होंने शनिवार रात 3.15 बजे रायपुर एम्स में अंतिम सांस ली। वे पिछले कुछ समय से बीमार थीं।

भारतीय लोक कला में उनके असाधारण योगदान के लिए उन्हें पद्मश्री, पद्म भूषण और देश के दूसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। रविवार सुबह 11 बजे तीजन बाई के शव को उनके पैतृक गांव गनियारी लाया गया, जहां राजकीय सम्मान के साथ उनका

तीजन बाई ने अपनी सशक्त आवाज, प्रभावशाली अभिनय और अनोखी प्रस्तुति शैली से पंडवानी को देश ही नहीं, बल्कि विदेशों तक में नई पहचान दिलाई। महाभारत की कथाओं को सुनाने की प्रेरणा उन्हें नाना से मिली थी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीजन बाई के निधन पर शोक जताया। उन्होंने X पर लिखा, 'उन्होंने अपनी भव्य प्रस्तुति से दुनियाभर में पहचान दिलाई। उनका जाना कला और संस्कृति जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।' छत्तीसगढ़ के सीएम विष्णुदेव साय ने कहा कि पंडवानी के जरिए उन्होंने देश-विदेश में राज्य का नाम रोशन किया।

प्रशांत किशोर बांकीपुर से लड़ेंगे चुनाव

- **नितिन नवीन के गढ़ में बीजेपी को देंगे टक्कर**

पटना. पटना की बांकीपुर विधानसभा सीट पर जनसुराज पार्टी की ओर से प्रशांत किशोर उम्मीदवार होंगे। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मनोज भारती ने इसकी घोषणा की है।

प्रशांत किशोर ने कहा, 'चार सालों से जन सुराज ही मेरी जिंदगी है। पार्टी ने मुझे जो जिम्मेदारी दी है उसे पूरा करने का प्रयास करूंगा। बांकीपुर से अगर जीत मिलती है तो उससे पार्टी का मनोबल काफी बढ़ेगा और पार्टी आगे बढ़ेगी।'

बता दें नितिन नवीन के राज्यसभा सांसद बनने के बाद से ही पीके के बांकीपुर से चुनाव लड़ने की चर्चा थी। पिछले दिनों खुद पीके ने कहा था- अगर मेरे चुनाव लड़ने से भाजपा बांकीपुर जैसी मजबूत सीट हारती है, तो मैं चुनाव लड़ने के लिए तैयार हूं।

प्रशांत किशोर ने कहा कि नवंबर 2025 में जिन मतदाताओं ने जनसुराज को वोट दिया, उन सबको मैं धन्यवाद देता हूं। बांकीपुर की जनता से मैं वादा करता हूं कि मैं पूरी ईमानदारी के साथ काम करूंगा। मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि अगर आप अपना जनप्रतिनिधि बनाकर जनसुराज के प्रतिनिधि को भेजते हैं तो वह 242 विधायकों पर भारी पड़ेगा।

'बिहार में जब तक परिवर्तन नहीं आता, तब तक संघर्ष करता रहूंगा'

प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पार्टी कार्यकर्ता वरिष्ठ नेता और बिहार की जनता को आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी मेरे कंधे पर रखी है। बांकीपुर में चुनाव लड़ने की जो जिम्मेदारी मुझे दी गई है, उसे मैं पूरी तरह से निभाऊंगा। अगले 5 वर्षों में बिहार में जब तक परिवर्तन नहीं आता, तब तक मैं संघर्ष करता रहूंगा।

अमेरिका में आजादी के 250 साल का जश्न

- **ट्रम्प बोले- अमेरिका को कम्युनिज्म नहीं चाहिए, हमने इसके खिलाफ दुनियाभर में जंग लड़ी**

वाशिंगटन. अमेरिका ने शनिवार को आजादी के 250 साल पूरे होने का जश्न मनाया। इस मौके पर देशभर में भव्य समारोह आयोजित किए। मुख्य कार्यक्रम वॉशिंगटन डीसी के नेशनल मॉल में हुआ, जहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने राष्ट्र को संबोधित किया। बारिश और आंधी-तूफान के कारण कार्यक्रम में देरी हुई, लेकिन मौसम साफ होने के बाद समारोह शुरू हुआ। अपने संबोधन में ट्रम्प ने कम्युनिज्म पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, 'हम अपने देश में कम्युनिस्टों को नहीं चाहते। कम्युनिज्म हमेशा हारता आया है और आगे भी हारेगा। यह अमेरिकी व्यवस्था के बिल्कुल विपरीत है।' ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सैनिकों ने दुनिया भर में कम्युनिज्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, ताकि यह विचारधारा कभी अमेरिका के भीतर जगह न बना सके।

भाषण के बाद नेशनल मॉल में करीब 40 मिनट तक रिकॉर्ड आतिशबाजी हुई। इस दौरान 8.5 लाख से ज्यादा फायरवर्क्स हुए। व्हाइट हाउस ने इसे अमेरिका के इतिहास का सबसे बड़ा स्वतंत्रता दिवस फायरवर्क शो बताया।

डेब्यू कैप मिलते ही रो पड़े वैभव सूर्यवंशी

सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले भारतीय खिलाड़ी

खिलाड़ी	उम्र	फॉर्मेट	खिलाफ
वैभव सूर्यवंशी	15 साल 99 दिन	टी20	इंग्लैंड
शेफाली वर्मा	15 साल 239 दिन	टी20	सा. अफ्रीका
सचिन तेंदुलकर	16 साल 205 दिन	टेस्ट	पाकिस्तान
जेमिमा रोड्रिग्स	17 साल 130 दिन	टी20	सा. अफ्रीका
पार्थिव पटेल	17 साल 153 दिन	टेस्ट	इंग्लैंड
मिताली राज	17 साल 205 दिन	वनडे	आयरलैंड
स्मृति मंधाना	17 साल 261 दिन	टी20	बांग्लादेश
हरभजन सिंह	17 साल 265 दिन	टेस्ट	ऑस्ट्रेलिया
पृथ्वी शॉ	18 साल 165 दिन	टेस्ट	वेस्टइंडीज

- **भारत के सबसे युवा क्रिकेटर बने**
- **इंग्लैंड का भारत के खिलाफ सबसे बड़ा रनचेज**

वैभव सूर्यवंशी भारत के लिए डेब्यू करने वाले सबसे कम उम्र के क्रिकेटर बन गए। उन्होंने 15 साल 99 दिन में पहला मैच खेलकर सचिन तेंदुलकर और शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

मैनचेस्टर में तिलक वर्मा ने वैभव को डेब्यू कैप दी। इसके बाद वे भावुक होकर रो पड़े। हालांकि, उनका पहला इंटरनेशनल मैच जीत के साथ यादगार नहीं बन सका। इंग्लैंड ने 191 रन का टारगेट 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया। यह टी-20 में भारत के खिलाफ इंग्लैंड का सबसे बड़ा रनचेज भी रहा। मुकाबले में कई यादगार मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले।

वैभव ने 15 साल 99 दिन की उम्र में डेब्यू किया

- वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले भारत के यंगेस्ट क्रिकेटर बने। उन्होंने 15 साल 99 दिन की उम्र में पहला मैच खेला। वैभव ने शेफाली वर्मा और सचिन तेंदुलकर का रिकॉर्ड तोड़ा। शेफाली ने 15 साल 239 दिन और सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेला था।

- **वैभव इंटरनेशनल में डेब्यू करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी**

वैभव इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू करने वाले चौथे सबसे युवा खिलाड़ी बने हैं। जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनके नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2020 में 14 साल और 16 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था।

मुश्किल में तमिलनाडु CM थलपति विजय

- **भाजपा, DMK और AIADMK ने एक साथ खोला मोर्चा**

चेन्नई. तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय और उनकी पार्टी तमिलगा वेट्री कड़गम (TVK) की मुश्किलें बढ़ती हुई नजर आ रही हैं। राज्य की तीन बड़ी पार्टियों (DMK, AIADMK, BJP) ने मुख्यमंत्री के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। शनिवार को तीनों पार्टियों के नेताओं ने राज्यपाल विश्वनाथ आर्लेकर के साथ अलग-अलग समय पर मुलाकात की और सत्ताधारी पार्टी के ऊपर विधायकों की खरीद-फरोख्त (हॉर्स ट्रेडिंग) के आरोप लगाए। इतना ही नहीं उन्होंने मुख्यमंत्री विजय के ऊपर सरकारी मशीनरी के गलत उपयोग और राज्य कैबिनेट की मीटिंग में गैर अधिकृत लोगों के प्रवेश का भी आरोप लगाया।

राज्यपाल से मिलकर आए डीएमके नेता आरएस भारती ने मीडिया के सामने अपने तर्कों को रखा। उन्होंने जोर देकर कहा कि राज्य की विजय सरकार मशीनरी का गलत उपयोग कर रही है और विधायकों की खरीद फरोख्त करने की कोशिश कर रही है। इसके खिलाफ एक्शन होना ही

चाहिए। उन्होंने कहा, 'हमने गवर्नर से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात है और उन्हें तमिलनाडु में जारी हॉर्स ट्रेडिंग और सत्ता के गलत इस्तेमाल के बारे में जानकारी दी। दो लोग जॉन और विष्णु रेड्डी, जिनका सरकार से कोई संबंध नहीं है वह राज्य के मंत्रियों से ज्यादा ताकतवर लगते हैं। वे सभी हाई-लेवल मीटिंग में शामिल होते हैं और अधिकारियों को आदेश देते हैं। तमिलनाडु में ऐसी खराब स्थिति पैदा हो गई है। हमने पहले भी एक याचिका दी थी, लेकिन गवर्नर शहर में नहीं थे, इसलिए आज हमने मुलाकात की और इन सभी मुद्दों पर जोर दिया।

बता दें, यह पहली बार नहीं है जब राज्य की डीएमके की तरफ से मुख्यमंत्री विजय के ऊपर आरोप लगाए गए हों। एक हफ्ते पहले ही स्टालिन की पार्टी ने हॉर्स ट्रेडिंग के आरोप में विजय के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाने की मांग की थी।

जम्मू-कश्मीर की किताब में आतंकी हाफिज सईद को महान बताया

जम्मू-कश्मीर के सरकारी स्कूलों की लाइब्रेरी के लिए खरीदी गई दो किताबों को लेकर UAPA के तहत FIR दर्ज की गई है। इन किताबों में मुंबई हमलों के मास्टर माइंड आतंकी हाफिज सईद और अलगाववादी नेता मकबूल भट को महान हस्तियां बताया गया है। पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस विंग ने शनिवार FIR दर्ज करके छापेमारी शुरू कर दी है।

विवादित किताबों में से एक हिलाल अहमद और संतोष मीना की 'पर्सनैलिटीज एंड लीजेंड्स ऑफ J&K' है। इसे जम्मू की ओबेरॉय बुक सर्विस ने प्रकाशित किया है।

खामेनेई के जनाजे में दिखे तीन बेटे, युद्ध के बाद पहली बार आए नजर

- **कहां हैं सुप्रीम लीडर मोजतबा?**

तेहरान. ईरान के दिवंगत सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के अंतिम संस्कार में लाखों लोग श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं। इस दौरान एक भावुक तस्वीर ने सबका ध्यान खींचा है। तेहरान के इमाम खुमैनी ग्रैंड मोसल्ला में आयोजित प्रार्थना सभा में

खामेनेई के तीन बेटे (मसूद खामेनेई, मेसम खामेनेई और मुस्तफा खामेनेई) पिता के ताबूत के पीछे खड़े नजर आए। अमेरिका और इजरायल के हमलों में खामेनेई की हत्या के बाद यह तीनों भाई पहली बार सार्वजनिक रूप से एक साथ दिखे। हालांकि, खामेनेई के दूसरे नंबर के बेटे और वर्तमान सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई इस प्रार्थना सभा में शामिल नहीं हुए। सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित तस्वीरों में मसूद खामेनेई भावुक दिखे और आंसू पोंछते हुए देखा गया।

तस्वीरों में अली खामेनेई का ताबूत ईरानी झंडे में लिपटा दिखा, जिसके ऊपर काली पगड़ी रखी गई थी। इसे फरवरी में इजरायली हमलों में मारे गए चार अन्य परिवार सदस्यों के ताबूतों के साथ रखा गया था, जिनमें खामेनेई की नाबालिग पोती भी शामिल थी। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान, संसद अध्यक्ष मोहम्मद बगेर गालिबफ और इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कोर (आईआरजीसी) के कमांडर-इन-चीफ अहमद वाहिदी भी नमाज-ए-जनाजा में शामिल हुए।

संक्षेप...

खाड़ी किनारे बसे लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने का नोटिस

कल्याण. कुछ दिनों से जारी मूसलाधार बारिश के कारण उल्हास नदी का जलस्तर बढ़ गया है। वहीं कल्याण की खाड़ी भी अपने उफान पर है। ऐसे में सावधानी बरतते हुए KDMC ने खाड़ी किनारे बसे घरों और तबेलों को खाली करने का नोटिस जारी किया है। खाड़ी के किनारे सैकड़ों घर बने हुए हैं, और दर्जनों तबेले हैं। तबेलों में सैकड़ों की संख्या भैंस और कुछ गाय हैं। यहां हर साल खाड़ी का जलस्तर बढ़ने से तबेलों में पानी भर जाता है, और जानवरों को सुरक्षा के लिहाज से बाहर सड़क और पूल पर लाकर बांधना पड़ता है। चूंकि बीते कई दिनों से हो रही भारी बरसात के कारण रेतीबंदर और आसपास के इलाके में बाढ़ का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए केडीएमसी प्रशासन ने सुरक्षा के दृष्टिकोण से नोटिस जारी कर खाड़ी किनारे बसे लोग एवं तबेला मालिकों को सुरक्षित स्थान पर जाने का फरमान जारी किया है।

मुंबई में मॉनसून का कहर

बारिश के बीच पेड़ गिरने से एक और मौत, दुकानदार की गई जान

मुंबई. मुंबई में लगातार भारी बारिश के बीच रविवार को पेड़ गिरने की एक और दर्दनाक घटना सामने आई। शहर के कुर्ला पश्चिम स्थित नौपाड़ा इलाके में हिंदी बीएमसी स्कूल के पास दोपहर करीब 12:40 बजे एक बड़ा पेड़ अचानक दुकान पर गिर गया। हादसे में 63 वर्षीय यूनुस कुंदावाला गंभीर रूप से मलबे में दब गए। सूचना मिलते ही दमकल विभाग, पुलिस और नगर निगम की टीमें मौके पर पहुंचीं। मलबे से उन्हें बाहर निकाला गया। इसके बाद यूनुस को फौजिया अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारियों ने का कहना है कि भारी बारिश के कारण पेड़ कमजोर होकर गिरा, जिससे यह हादसा हुआ। हफ्ते भर के भीतर मुंबई में पेड़ गिरने से हुई यह दूसरी मौत है। इससे पहले 30 जून को चेंबूर इलाके में एक पेड़ उखड़कर चलती स्कूल बस पर गिर गया था। उस हादसे में 11 वर्षीय छात्र की मौत हो गई थी, जबकि कई अन्य बच्चे और लोग घायल हो गए थे। लगातार हो रही बारिश के कारण शहर में पेड़ गिरने की घटनाओं को लेकर चिंता बढ़ गई है।

इमारत का हिस्सा ढहने से 2 लोग घायल

महाराष्ट्र के ठाणे जिले में पिछले 48 घंटों से लगातार हो रही बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। इसके कारण कई इलाकों में जलभराव हो गया, पेड़ गिर गए और एक इमारत का हिस्सा ढहने से दो लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ठाणे क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ को पिछले 24 घंटे में कुल 93 शिकायतें मिलीं जिनमें पेड़ व उसकी टहनियां गिरने की 46, जलभराव की 24, परिसर की दीवार ढहने की आठ और भूस्खलन की एक घटना शामिल है। ठाणे शहर, कल्याण, भिवंडी, उल्हासनगर, डोंबिवली और नवी मुंबई के कई निचले इलाकों में जलभराव हो गया जिससे कई लोग फंस गए।

भारत मौसम विज्ञान विभाग ने अगले दो दिन तक क्षेत्र में भारी बारिश का पूर्वानुमान जताया है। शनिवार रात वागले एस्टेट क्षेत्र के किसान नगर स्थित 45 वर्ष पुरानी दो मंजिला तिवारी भवन की पहली मंजिल का एक हिस्सा ढह गया। उस समय वहां से गुजर रहे नूरी इस्लाम शेख और सुरेश थापा घायल हो गए।

शेख के सिर और कंधे में चोटें आई हैं। उनका स्थानीय अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। तडवी ने कहा, 'घटना के बाद एहतियातन पूरी इमारत खाली करा ली गई। ऊपरी मंजिल के फ्लैट में रहने वाले एक परिवार को ठाणे महानगर पालिका के एक स्कूल में बनाए गए अस्थायी राहत शिविर में शिफ्ट किया गया है।'

भाजपा सरकार पर रामभक्तों की आस्था से खिलवाड़ का आरोप

शिवसेना (उबाठा) का 'राम रक्षा आंदोलन'

- शिवसैनिकों ने राम मंदिर में किया पूजा अर्चना

उल्हासनगर. अयोध्या के श्रीराम मंदिर में कथित चोरी और आर्थिक अनियमितताओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने रविवार को उल्हासनगर-1 स्थित बस स्टॉप के सामने हनुमान मंदिर में जोरदार 'राम रक्षा आंदोलन' किया। आंदोलन में बड़ी संख्या में शिवसैनिकों, रामभक्तों और सकल हिंदू समाज के लोगों ने भाग लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

आंदोलन की शुरुआत भगवान श्रीराम के पूजन-अर्चन से हुई। इसके बाद सामूहिक हनुमान चालीसा का भव्य पाठ एवं हनुमानजी की महाआरती की गई। पूरे मंदिर परिसर में 'जय श्रीराम' के उद्घोष से माहौल भक्तिमय हो गया। इस अवसर पर शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के महानगर प्रमुख दिलीप मिश्रा ने आरोप लगाया कि भगवान श्रीराम के भव्य अयोध्या मंदिर से जुड़े कथित चोरी और आर्थिक अनियमितताओं ने करोड़ों हिंदुओं की भावनाओं को गहरी ठेस पहुंचाई है। उन्होंने कहा कि यदि यही घटनाएं किसी अन्य धार्मिक स्थल पर होतीं तो भाजपा पूरे देश में आंदोलन करती, लेकिन आज भाजपा सरकार इस मामले पर चुप्पी साधे हुए है।

शिवसेना महानगर प्रमुख दिलीप मिश्रा ने आरोप लगाया कि भाजपा केवल चुनाव के समय भगवान श्रीराम के नाम का राजनीतिक उपयोग करती है, लेकिन जब रामभक्तों की आस्था पर सवाल उठते हैं तो सरकार दोषियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने से बचती दिखाई देती है। उन्होंने मांग की कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय, निष्पक्ष और समयबद्ध जांच कर दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए।

शिवसेना उपजिला प्रमुख राजेंद्र शाहू ने कहा कि भगवान श्रीराम किसी एक दल की नहीं बल्कि पूरे हिंदू समाज की आस्था के प्रतीक हैं। श्रीराम के नाम पर किसी भी प्रकार की कथित चोरी, भ्रष्टाचार या अनियमितता को देश का हिंदू समाज कभी स्वीकार नहीं करेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि दोषियों पर सख्त कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और व्यापक रूप दिया जाएगा।

निजधाम आश्रम में निःशुल्क नेत्र जांच शिविर संपन्न

उल्हासनगर. उल्हासनगर-5 स्थित निजधाम आश्रम में शिवधारा आश्रम, अमरावती से पधारे पूज्य संत साईं संतोष कुमार के सानिध्य में सत्संग का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाराष्ट्र राज्य सिंधी साहित्य अकादमी के पूर्व कार्याध्यक्ष एवं शिवसेना के वरिष्ठ नेता महेश सुखरामानी व इन्दर आहूजा ने उपस्थित होकर संत साईं संतोष कुमार का आशीर्वाद प्राप्त किया। सत्संग के साथ ही सुंदर सेवा सभा स्वामी सर्वानंद हॉस्पिटल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा श्रद्धालुओं एवं स्थानीय नागरिकों के लिए निःशुल्क नेत्र जांच (आई चेकअप) शिविर का आयोजन भी किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने लाभ प्राप्त किया। कार्यक्रम के दौरान ट्रस्ट धर्मपाल पारवानी, श्याम लाल वालेचा तथा सेवाधारी धरम पाल रिजवानी ने महेश सुखरामानी का स्वागत सम्मान किया।

BJP समर्थकों द्वारा सेना नगरसेवक पर हमला

- कोलसेवाड़ी पुलिस में मामला दर्ज
- मामूली बात पर हुआ झगड़ा
- ठाकरे ग्रुप से शिंदे ग्रुप में शामिल हुए नगरसेवक मधुर

कल्याण. कल्याण पूर्व के श्रीराम टॉकीज इलाके में गुरुवार शाम शिवसेना शिंदे ग्रुप के नगरसेवक और BJP समर्थकों के बीच तीखी बहस हो गई। BJP समर्थक ने ठाकरे ग्रुप से शिंदे ग्रुप में शामिल हुए नगरसेवक मधुर म्हात्रे की पिटाई की और उनके भाई पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। हमले में मधुर म्हात्रे को हल्की चोट आई, जबकि उनके भाई नीलेश म्हात्रे गंभीर रूप से घायल हो गए। उनका एक प्राइवेट हॉस्पिटल के इंटेंसिव केयर यूनिट में इलाज चल रहा है। इस घटना के बाद कोलसेवाड़ी पुलिस ने एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नगरसेवक मधुर म्हात्रे का आरोप है कि यह हमला कल्याण पूर्व के नाना धर्माधिकारी उद्यान में दो साल पहले हुए मर्डर केस के मुख्य आरोपी ने किया था, जिसे कोर्ट ने कल्याण शहर में घुसने पर बैन लगा दिया था। पता चला है कि एक-दूसरे को गुस्से से देखने की मामूली वजह पर हुई बहस लड़ाई में बदल गई और फिर आकाश ने धारदार हथियार से हमला कर दिया। पार्षद मधुर म्हात्रे ने दावा किया है कि हमलावर आकाश जायसवाल इस इलाके के एक पूर्व BJP पार्षद का समर्थक है। मधुर म्हात्रे ने यह भी गंभीर आरोप लगाया कि संबंधित पूर्व पार्षद चुनाव में अपनी हार के बाद आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को अपने करीब ला रहा है। दोनों पार्टियों के कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे पर गंभीर आरोप लगाए हैं। इस मामले में दोनों पार्टियों की शिकायतों के आधार पर कोलसेवाड़ी पुलिस स्टेशन में एक-दूसरे के खिलाफ केस दर्ज किए गए हैं।

शिलफाटा रोड पर कोडीन वाली नशीली बोतलों का स्टॉक जब्त

- कोलसेवाड़ी ट्रैफिक पुलिस की कार्रवाई

कल्याण. कल्याण-शिलफाटा रोड पर मानपाड़ा इलाके के रुनवाल गार्डन रेजिडेंशियल कॉम्प्लेक्स इलाके में ट्रैफिक प्लान करते समय, कोलसेवाड़ी ट्रैफिक कांस्टेबल ने दूसरी लेन से कई गाड़ियां आती देखीं। उसने उन गाड़ियों को रोका और उन्हें वापस भेजना शुरू कर दिया। इसी समय, दूसरी लेन से एक टू-व्हीलर पर सामान की बोरी लेकर आ रहा एक टू-व्हीलर सवार कांस्टेबल को देखकर भाग गया, और कुछ दूरी पर सड़क पर बोरी समेत अपनी टू-व्हीलर छोड़ दी। जब इस बोरी की जांच की गई, तो उसमें कोडीन वाली कफ सिरप की बोतलें पाई गईं. पुलिस ने फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन ऑफिसर की मौजूदगी में इस स्टॉक को जब्त कर लिया है।

शिकायतकर्ता ट्रैफिक कांस्टेबल का नाम मिनिनाथ बड़े है। बड़े के अनुसार ट्रैफिक पुलिस बाइक के साथ बोरियों को भी रुनवाल गार्डन ट्रैफिक पुलिस चौक ले आई। पुलिस इंस्पेक्टर गजानन पडलकर, असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर के. आर. पाटिल, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन डिपार्टमेंट के प्रमदास सखारे, कांस्टेबल लक्ष्मण सखारे पुलिस के साथ वहां पहुंचे। बोरी खोली गई। उसमें कोडीन वाली सिरप की 99 बोतलें मिलीं। सखारे ने इन बोतलों में मौजूद लिक्विड के सैंपल लिए। इन बोतलों पर कोडीन फॉस्फेट ट्रिपोलिडीन हाइड्रोक्लोरिक सिरप, वेल्कोक्स कफ सिरप के लेबल लगे मिले।

भारी बारिश से बेहाल हुए भिवंडीकर

- नागरिकों ने करीब 3 करोड़ के नाले की सफाई पर उठाए सवाल

भिवंडी. 4 दिनों से रुक रुक कर शुरू भारी बारिश ने भिवंडी शहरवासियों का जीवन अस्त व्यस्त करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है.मूसलाधार बारिश के कारण शहर के कई निचले इलाकों में पानी भर गया. कामवारी नदी के किनारे के इलाके में बाढ़ जैसे हालात बन गए थे.कई जगहों पर कमर से सीने तक पानी जमा हो गया.बारिश का पानी घरों, दुकानों और कमर्शियल जगहों में घुस गया. नागरिकों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ और शहर में आम जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया.

मुंबई-नासिक हाईवे भी भारी बारिश से प्रभावित हुआ. साईं बाबा मंदिर, चाविंद्रा इलाके, शिवाजी चौक और दूसरी मुख्य सड़कों के सामने भारी मात्रा में पानी जमा होने के कारण ट्रैफिक धीमा हो गया. कई दोपहिया, रिक्शा और चार पहिया वाहन पानी में फंस गए. गंभीर स्थिति को देखते हुए भिवंडी मनपा कमिश्नर अनमोल सागर ने मनपा उपायुक्त विक्रम दराडे सहित अन्य अधिकारियों के साथ शहर के बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया. निरीक्षण के दौरान, उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को तुरंत ज़रूरी कदम उठाने के निर्देश दिए. हर घंटे बाढ़ की स्थिति पर अपडेट रिपोर्ट देने का भी निर्देश दिया है.अतिरिक्त आयुक्त विट्ठल डाके दिन भर लगातार मनपा आपत्ति व्यवस्थापन प्रमुख शाकिब के साथ मिलकर जल निकासी की उचित उपयोजना बनाकर कार्यान्वयन का निर्देश दिया. अतिरिक्त आयुक्त डाके ने आपत्ति व्यवस्थापन प्रमुख शाकिब खरबे सहित संबंधित प्रभाग अधिकारियों को जलभराव के कारण इलाकों में फंसे नागरिकों को तुरंत सुरक्षित जगह पर पहुंचाने और उन्हें खाने के पैकेट समेत ज़रूरी मदद देने का भी आदेश दिया।

3 करोड़ खर्च पर शहरवासी उठा रहे गंभीर सवाल

नालों और सीवर की सफाई पर करीब 3 करोड़ रुपये खर्च करने का दावा मनपा प्रशासन ने किया है.करोड़ों खर्च के बाद भी पहली भारी बारिश में ही शहर में पानी भर गया.नागरिकों ने नाले की घटिया सफाई कार्य पर कड़ी नाराज़गी जताई है.

बच्ची के साथ शारीरिक शोषण, आरोपी को 20 साल की सज़ा

भिवंडी. भिवंडी सेशंस कोर्ट ने भिवंडी तालुका के एक सब्जी बेचने वाले को आठ साल की बच्ची के साथ शारीरिक शोषण करने के जुर्म में बीस साल जेल की सज़ा सुनाई है। आरोपी का नाम राम आशीष साह, (22) रेतीबंदर काल्हेर का रहने वाला है।

नारपोली पुलिस स्टेशन के तहत काल्हेर में एक सब्जी बेचने वाले ने आठ साल की नाबालिग बच्ची के साथ रेप किया. पीड़िता की मां ने 1 मार्च 2020 को आईपीसी की धारा 376 और पॉक्सो एक्ट की धारा 4,5 और 6 के तहत मामला दर्ज कराया था। इस संबंध में भिवंडी अतिरिक्त जिला व सत्र न्यायालय में न्यायाधीश एन. के. कारंडे की अदालत में जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक विष्णु बाबा आव्हाड के मार्गदर्शन में नारपोली पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक विजय कडबाणे, पुलिस निरीक्षक (अपराध) ज्ञानेश्वर कदम और अदालत ने सरकारी वकील की ओर से समन तामील करने वाले पुलिस कांस्टेबल शर्मा, सांबरे, पाटिल, महिला कांस्टेबल साग्रोलिया, वारंट ड्यूटी तडवी और पाटिल की मौजूदगी में मुकदमा चलाया। अदालत के सामने सबूत और गवाह पेश किए जाने के बाद आरोपी राम आशीष साह को 20 साल की कैद और 5 हजार रुपए का जुर्माना और जुर्माना न भरने पर छह महीने के साधारण कारावास की सजा सुनाई है।

आम सूचना

मैं श्रीमती लता फुलचंद भालेराव सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, बैरक नं. 590, रुम नं. 1 के सामने, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-2. (टैक्स नं. 19बीआय019875100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती बेबी अशोक गायकवाड़ के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 3.7.2026 सी.नं. 2906/2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती लता फुलचंद भालेराव

आम सूचना

हम श्रीमती रिता संदीप कुमार पटवा व श्री संदीप कुमार पटवा सभी को सूचित कर रहे हैं कि रुम, बैरक नं. 88 के पास, हिल साइड, ताानजी नगर, एमआयडीसी रोड, उल्हासनगर- 1 (टैक्स नं. 04एओ014199700) उक्त प्रॉपर्टी श्री संदीप सदाशिव गरुड से सेल एग्रीमेंट 2.7.2026 सी.नं. 2363/2026 द्वारा खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद हम अपने नाम करवाना चाहते हैं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रिता संदीप कुमार पटवा व श्री संदीप कुमार पटवा

'मातृभूमि' पर सेंसर बोर्ड ने रोक नहीं लगाई

- सलमान खान फिल्म्स ने सर्टिफिकेशन रुकी होने की खबरों को बताया बेबुनियाद

सलमान खान फिल्म्स ने अपनी अपकमिंग फिल्म 'मातृभूमिः मे वॉर रेस्ट इन पीस' को लेकर चल रही खबरों पर सफाई दी। प्रोडक्शन हाउस ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि फिल्म को सीबीएफसी सर्टिफिकेशन प्रक्रिया रुकी होने की खबरें पूरी तरह गलत और बेबुनियाद हैं।

बयान में कहा गया कि फिल्म को अभी तक सेंसर बोर्ड के पास सर्टिफिकेशन के लिए भेजा ही नहीं गया। इसलिए इस तरह की रिपोर्ट्स पर भरोसा न करें। सलमान खान फिल्म्स ने मीडिया और लोगों से अपील की कि बिना पुष्टि की जानकारी न फैलाएं। फिल्म से जुड़े सभी आधिकारिक अपडेट केवल उनके आधिकारिक प्लेटफॉर्म पर ही शेयर किए जाएंगे।

दरअसल, हाल ही में कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया था कि सेंसर बोर्ड ने फिल्म 'मातृभूमि' को सर्टिफिकेट देने पर फिलहाल रोक लगा दी है।

फिल्म 'मातृभूमि' साल 2020 में भारत और चीन के सैनिकों के बीच गलवान घाटी में हुई सैन्य झड़प पर आधारित है। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था। फिल्म को पहले 17 अप्रैल को ईद के मौके पर रिलीज किया जाना था, लेकिन बाद में इसकी रिलीज डेट टल गई।

बांग्लादेशी नागरिक को 15 महीने जेल की सज़ा

भिवंडी. भिवंडी के डिस्ट्रिक्ट और एडिशनल सेशंस कोर्ट ने एक बांग्लादेशी नागरिक को बिना किसी ऑफिशियल पासपोर्ट के भिवंडी में गैर-कानूनी तरीके से रहने के जुर्म में 15 महीने जेल की सज़ा सुनाई है। आरोपी का नाम आसिफ आतिफ शेख (24) है, जो नोवाखाली, बांग्लादेश का रहनेवाला है। पुलिस को सीक्रेट जानकारी मिली थी कि एक बांग्लादेशी नागरिक भिवंडी तालुका के टेमघर में निसर्ग ढाबा के पास मांगीलाल प्रजापति की कंपनी में अपनी पहचान छिपाकर काम कर रहा है। इसके बाद शांतिनगर पुलिस स्टेशन के असिस्टेंट पुलिस इंस्पेक्टर सुरेश चोपड़े की टीम ने पंचायत के साथ मौके पर छापा मारा और आसिफ आतिफ शेख को गिरफ्तार कर लिया।

आम सूचना

मैं श्री अनिल देवजी कुंभार सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम, समता नगर नं.1, ब्लॉक नं. ए-105 के सामने, कुर्ला कैंप, उल्हासनगर-4 (टैक्स नं. 39डीओ008876400) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती अंजू अनिल कुंभार ने गिफ्ट एग्रीमेंट दि. 2.7.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनिल देवजी कुंभार

आम सूचना

मैं श्रीमती मीना सुरेश टेकचंदानी सभी को सूचित कर रही हूं कि कसाबाई अपार्टमेंट, फ्लैट नं. 15, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 08एआय014807000) उक्त प्रॉपर्टी श्री अरुण सुरेश टेकचंदानी व श्री रवि सुरेश टेकचंदानी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 29.6.2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती मीना सुरेश टेकचंदानी

आम सूचना

मैं श्री मोहम्मद शफी अख्तर शेख भोला अब्दुल्ला सभी को सूचित कर रहा हूं कि रुम नं. 12, चाल नं. 8, आकाश कालोनी, सेक्शन 36, उल्हासनगर- 5. (टैक्स नं. 55डीओ013760100) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती आशा श्यामलाल दुसेजा के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 29.6.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री मोहम्मद शफी अख्तर शेख भोला अब्दुल्ला

आम सूचना

मैं श्रीमती अर्चना बसवराज पंचाल सभी को सूचित कर रही हूं कि रुम, शिव नगर, बैरक नं. 1253 के पीछे, ओटी सेक्शन, उल्हासनगर-4. (टैक्स नं. 43सीओ009832900) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सरला राजेंद्र पाटील के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 23.6.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती अर्चना बसवराज पंचाल

आम सूचना

मैं श्री अनिल गोपीनाथ सुर्यवंशी सभी को सूचित कर रहा हूं कि शॉप नं. 2, ग्राऊंड फ्लोर, मातृछाया अपार्टमेंट, प्लॉट नं. 732, ब्लॉक नं. ए-504 के सामने, स्टेशन रोड, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 40सीओ012464500) उक्त प्रॉपर्टी श्री नरेंद्र के. मेथाई के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट दि. 30.6.2026 द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री अनिल गोपीनाथ सुर्यवंशी

आम सूचना

मैं श्रीमती रेखाबाई निंबा पवार सभी को सूचित कर रही हूं कि बैरक नं. 1636 के पास, पोर्शन, शॉप नं. 7, उल्हासनगर- 4. (टैक्स नं. 47सीआय013634600) उक्त प्रॉपर्टी श्रीमती सुनंदा संदीप सुर्यवंशी के नाम पर है। उनसे सेल एग्रीमेंट द्वारा मैंने खरीदी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहती हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्रीमती रेखाबाई निंबा पवार

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is
RAJENDRA SHRIRAM JAISWAR
to New Name
RAJENDRA SHRIRAM JAISWAL.
So All Public now Call me
RAJENDRA SHRIRAM JAISWAL.

Add. 104/B, Mamta Apartment, Near Aashirwad Hospital, Maratha Section 32, Ulhasnagar- 421004.

CHANGE OF NAME

I Declare My Old Name is
GEETA RAJENDRA JAISWAR
to New Name
GEETA RAJENDRA JAISWAL.
So All Public now Call me
GEETA RAJENDRA JAISWAL.

Add. 104/B, Mamta Apartment, Near Aashirwad Hospital, Maratha Section 32, Ulhasnagar- 421004.

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099